सांध्य दैनिक
4PM
जिद...सच की
मूल्य ₹ 3/-
www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_SanjayS YouTube @4pm NEWS NETWORK
● वर्ष: 11 ● अंक: 184 पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, शुक्रवार 8 अगस्त, 2025

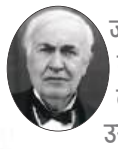

जीवन में असफल हुए कई लोग वे होते हैं जिन्हें इस बात का आभास नहीं होता कि जब उन्होंने हार मान ली तो वे सफलता के कितने करीब थे।
-थॉमस ए. एडीसन

उभरते वालीवॉल खिलाड़ियों को... 7
सीएम पटेल कर रहे मोदी से... 3
बीजेपी सरकार में किसानों को... 2

वार दर वार राहुल का पैदल प्रहार

राहुल का आरोप- चुनाव आयोग ने बंद कर दी वेबसाइट

» मतदाता सूची में कथित हेरफेर के खिलाफ राहुल गांधी का पैदल मार्च

□□□ 4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। आज सड़क से सदन तक मतदाता सूची में कथित हेरफेर के खिलाफ कांग्रेस का जोरदार प्रदर्शन देखने को मिला। बेहद आक्रमक मुद्रा में राहुल गांधी बेंगलुरु के फ्रीडम पार्क से कर्नाटक चुनाव आयोग के कार्यालय तक पैदल मार्च किया। उन्होंने चुनाव आयोग को ज्ञापन सौपा और अपनी मांगों और प्रमाणों के साथ जवाबदेही तय करने की अपील की। वहीं मानसून सत्र में लोकसभा की कार्यवाही शुरू होते ही विपक्षी सांसदों ने वी वांट जस्टिस और वोट की चोरी बंद करो जैसे नारे लगा कर सदन में हंगामा बरपा कर दिया। जिसके चलते सत्र में व्यवधान हुआ और स्पीकर ओम बिरला को बार-बार सांसदों से शांति बनाए रखने की अपील करनी पड़ी बाद में स्पीकर ने सदन की कार्रवाई स्थागित करनी पड़ी।

राहुल गांधी ने चुनाव आयोग पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि चुनाव आयोग भारतीय जनता पार्टी के साथ मिलकर चुनावों में हेराफेरी कर रहा है और लोकतंत्र को कमजोर कर रहा है। बेंगलुरु में आयोजित कांग्रेस की वोट अधिकार रैली में राहुल गांधी ने नया दावा करते हुए कहा कि जब देश की जनता हमारे डेटा को लेकर सवाल पूछ रही है तो चुनाव आयोग ने वेबसाइट ही बंद कर दी है। रैली में राहुल गांधी ने बोलते हुए कहा कि चुनाव आयोग ने बिहार, मध्य प्रदेश और राजस्थान में अपनी वेबसाइट बंद की है। चुनाव आयोग जानता है कि जनता उनसे सवाल पूछने लगी तो उनका पूरा ढांचा ढह जाएगा।

सबूत मिटा रहा है चुनाव आयोग

राहुल गांधी ने चुनाव आयोग द्वारा उन्हें शपथ पत्र दाखिल कर आरोप लगाने वाले सवाल का जवाब देते हुए कहा कि चुनाव आयोग मुझसे हलफनामा मांगता है। वह कहता है कि मुझे शपथ लेनी होगी। लेकिन मैंने संसद में संविधान की शपथ ली है। कांग्रेस सांसद ने फिर मांग रखी कि चुनाव आयोग हमें पूरे देश की इलेक्ट्रॉनिक वोटर लिस्ट और चुनाव से जुड़े वीडियोग्राफी के रिकॉर्ड दे। उन्होंने कहा कि अगर हमें ये मिल जाए तो हम साबित कर देंगे कि पूरे देश में सीटें चोरी की गई हैं।

हमारा गठबंधन भारी सीटों से जीता था चुनाव

अपने आरोपों को दोहराते हुए राहुल गांधी ने कहा है कि पहले लोकसभा का चुनाव हुआ फिर महाराष्ट्र का विधानसभा चुनाव हुआ। लोकसभा में हमारा गठबंधन भारी सीटों के साथ चुनाव जीता, लेकिन फिर चार महीने बाद विधानसभा चुनाव में भाजपा जीत गयी। यह बेहद चौंकाने वाली बात थी। हमने पता किया तो मालूम चला कि विधानसभा चुनाव में एक करोड़ नए मतदाताओं ने वोट डाला है। जहां भी ये नए वोटर आए वहां भाजपा ने जीत हासिल की। हमारे वोटों में कमी नहीं आई लेकिन नए मतदाताओं का वोट भाजपा के खाते में गया। उसी दिन हमें समझ आ गया कि दाल में कुछ काला है।

कर्नाटक का डाटा अपराध का सबूत

उन्होंने कहा कि कर्नाटक में हमने जो डेटा निकाला है, वह अपराध का सबूत है। इस डेटा को निकालने में हमें 6 महीने लगे। हमने हर एक नाम को चेक किया, हर एक फोटो को लाखों फोटो के साथ मैच किया। हमारा मानना है कि चुनाव का डेटा एक सबूत है। अगर उसे किसी ने खत्म किया तो उसका मतलब है कि वह सबूत मिटा रहा है।

हमने खुद से जांच शुरू की

कांग्रेस सांसद ने आगे कहा, चुनाव आयोग से मदद नहीं मिली तो हमने खुद से जांच शुरू की। इसके लिए हमने बेंगलुरु सेंट्रल लोकसभा सीट के महादेवापुरा विधानसभा क्षेत्र को चुना। हमने जांच में जो पाया, मैंने उसे प्रेस कॉन्फ्रेंस में सबके सामने रखा और ये साबित कर दिया कि भाजपा और चुनाव आयोग ने मिलकर वोट चोरी की है। महादेवापुरा विधानसभा क्षेत्र में साढ़े 6 लाख वोट हैं और उसमें से 1,00,250 वोट चोरी किए गए हैं। मतलब- भाजपा ने हर 6 में से 1 वोट चोरी किया है।

बैकफुट पर चुनाव आयोग, यूपी चुनाव आयोग ने नकारा, हरियाणा चुनाव आयोग ने दी सफाई

लोकतंत्र को बचाने के लिए कुछ भी करेंगे

कांग्रेस के महासचिव केसी वेणुगोपाल ने कहा है कि हम भारतीय लोकतंत्र की रक्षा के लिए एक बड़े अभियान की शुरुआत करेंगे। वेणुगोपाल ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर लिखा है कि विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने गुरुवार को जो खुलासा किया है वह तो बहुत छोटा मामला है सिर्फ एक विधानसभा क्षेत्र का डेटा है। इससे पता चलता है कि एक व्यवस्थित और बहुआयामी दृष्टिकोण के जरिए भाजपा नियंत्रित चुनाव आयोग ने कर्नाटक के महादेवपुरा विधानसभा क्षेत्र में 1 लाख से ज्यादा फर्जी वोट जोड़े।

शपथ पत्र देने के लिए कहा

कर्नाटक के मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने कांग्रेस सांसद राहुल गांधी को पत्र लिखा कर उनसे अपात्र मतदाताओं के जुड़े और पात्र मतदाताओं के नाम हटाने के आरोप पर शपथ पत्र मांगा था। मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने राहुल गांधी और कांग्रेस प्रतिनिधिमंडल को आज दोपहर का समय मिलने के लिए दिया था।

भाजपा नेताओं ने किया आरोपों का खंडन

भाजपा सांसद और अभिनेत्री कंगना रनौत ने कहा कि देश भर में चुनाव होते हैं। कई राज्यों में विपक्ष की भी सरकार है। अपनी पार्टी के हारने पर शिकायत करना एक बुरी बात है। कर्नाटक हो या पंजाब जब आपकी सरकार बनती है तो सब ठीक है लेकिन जब कोई और जीतता है तो यह एक मुद्दा बन जाता है और इसे धांधली कहा जाता है। विपक्ष का यह दोहरा रवैया गलत है।भाजपा सांसद रविशंकर प्रसाद ने कहा कि राहुल गांधी कर्नाटक और अन्य जगहों की बात करते हैं। लेकिन, क्या उन्होंने अभी तक कोई याचिका दायर की है? क्या उन्होंने कोई कानूनी कदम उठाया है? याद है उन्होंने राफेल के दौरान क्या कहा था? चौकीदार चोर है, ऐसी बेशर्मी भरी टिप्पणी सावरकर के बारे में भी की थी? क्या वह बिना किसी जवाबदेही के कुछ भी कहेंगे? यह बेहद गैर जिम्मेदाराना है। हम इसकी कड़ी निंदा करते हैं।

बीजेपी सरकार में किसानों को मिला धोखा : अखिलेश

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने केन्द्र की भाजपा सरकार पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि देश की विदेश नीति पूरी तरह नाकाम साबित हुई है। संसद परिसर में बुधवार को मीडिया से बातचीत में अखिलेश ने कहा कि सरकार की नीतियां देश को चौतरफा संकट में धकेल रही हैं। उन्होंने कहा कि अर्थव्यवस्था डगमगा रही है किसान बर्बाद हो रहा है नौजवान बेरोजगारी की मार झेल रहा है और भारत वैश्विक मंच पर अलग-थलग पड़ता जा रहा है।

अखिलेश ने कहा, भाजपा ने दस साल पहले किसानों की आय दोगुनी करने नौजवानों को रोजगार देने और उद्योगों को बढ़ावा देने के वादे किए थे। लेकिन आज न किसानों की आय दोगुनी हुई न नौजवान को नौकरी मिली। उल्टा महंगाई आसमान छू रही है और बेरोजगारी रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गई है। भाजपा नेताओं ने दुनिया में भारत के डंका बजने की बातें कीं लेकिन सच्चाई यह है कि विदेश नीति की विफलता से हम चौतरफा घिर गए हैं। उन्होंने सवाल उठाया कि सरकार ने इतने वर्षों में विदेश नीति देशहित में बनाई या कुछ चुनिंदा कारोबारियों को लाभ पहुंचाने के लिए अमेरिका से हमारे रिश्ते पुराने और मजबूत थे फिर ऐसा क्या हुआ कि हालात यहां तक पहुंच गए? कहीं ऐसा तो नहीं कि सरकार के फैसले देश के बजाय कुछ मित्र उद्योगपतियों के लिए किए गए।

किसानों की दुर्दशा का जिक्र करते हुए अखिलेश ने कहा कि भाजपा सरकार ने हर मोर्चे पर धोखा दिया है। खेती-बाड़ी दूध और उससे बने उत्पादों छोटे उद्योगों तक को सरकार ने नजरअंदाज कर दिया। किसान आज भी अपनी फसल का सही दाम पाने के लिए संघर्ष कर रहा है और सरकार के पास राहत देने का कोई ठोस प्लान नहीं है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के पीडीए पाठशाला बयान पर पलटवार करते हुए अखिलेश ने तंज कसा जो जैसा पढ़ा होगा वही बोलेगा। समाजवादियों के लिए ग का मतलब गरीब है लेकिन हो सकता है भाजपा के लिए ग फॉर गधा हो। अगर मुख्यमंत्री को सच में शिक्षा की चिंता होती तो प्राथमिक स्कूल बंद न करते। भाजपा सरकार गरीबों के बच्चों से शिक्षा का अधिकार छीन रही है।

क्यों बंद हो रहे हैं स्कूल

अखिलेश ने अपने कार्यकाल के विकास कार्यों को गिनाते हुए कहा कि समाजवादी सरकार ने स्कूल कॉलेज महाविद्यालय और विश्वविद्यालय बनवाए गरीबों के लिए शिक्षा मुफ्त की और बिजली उत्पादन बढ़ाने के लिए थ्री इन्टू सिक्स सिक्स्टी थर्मल सुपर पावर प्लांट लगाया जिससे प्रदेश में रोजगार और कारोबार को रफ्तार मिली। भाजपा सरकार बिजली घर लगाना तो दूर उसका नाम भी ठीक से नहीं ले पा रही है उन्होंने चुटकी लेते हुए आरोप लगाया कि भाजपा सरकार शिक्षा और विकास विरोधी है और प्रदेश को पीछे धकेलने में लगी है। देश और प्रदेश को आगे ले जाने के लिए दूरदृष्टि नीतियों में ईमानदारी और जनता के प्रति जवाबदेही जरूरी है ये तीनों चीजें भाजपा सरकार में नदारद हैं।

वृहद गौशाला और सीएनजी प्लांट का नगर आयुक्त ने किया निरीक्षण

» स्वच्छता, पर्यावरण और गौकल्याण को लेकर नगर निगम का बहुआयामी अभियान तेज

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। नगर निगम लखनऊ द्वारा पर्यावरण संरक्षण, पशु कल्याण एवं स्वच्छता को लेकर लगातार प्रयास किए जा रहे हैं।

इसी क्रम में गुरुवार को नगर आयुक्त गौरव कुमार, अपर नगर आयुक्त डॉ. अरविन्द कुमार राव, पर्यावरण अभियंता, पशु कल्याण एवं चिकित्सा अधिकारी तथा अन्य वरिष्ठ अधिकारियों की उपस्थिति में नगर निगम सीमा क्षेत्रान्तर्गत सूटिंग रेंज के समीप स्थित वृहद गौशाला एवं एवर एन्वायरों रिसोर्स मैनेजमेंट प्राइवेट लिमिटेड संस्था द्वारा स्थापित किए जा रहे 300 टी.पी.डी. क्षमता के बायो-सीएनजी प्लांट का संयुक्त निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान नगर आयुक्त ने संबंधित अधिशासी अभियंता को वृहद गौशाला के विस्तार का कार्य तत्परता से प्रारंभ करने और उसे एक उच्च स्तरीय मॉडल गौशाला के रूप में विकसित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश शासन के निर्देशों के अनुरूप नगर सीमा क्षेत्र में वृद्ध, बीमार और असहाय गौवंश के लिए समुचित देखरेख, संरक्षण और रहन-सहन की व्यवस्था सुनिश्चित की जानी चाहिए, जिससे गौवंश कल्याण को प्रभावी रूप से लागू किया जा सके। इसी के साथ नगर आयुक्त ने एवर एन्वायरों संस्था द्वारा स्थापित किए जा रहे 300 टीपीडी क्षमता के सीएनजी प्लांट के अधिष्ठापन कार्य को शीघ्रता से पूर्ण कराने के निर्देश भी दिए। इस प्लांट की स्थापना के बाद नगर क्षेत्र में उत्पन्न होने वाले गीले कूड़े का वैज्ञानिक निस्तारण संभव हो सकेगा।

आम आदमी पार्टी सांसद अशोक कुमार मित्तल ने अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप को लिखा ओपन लेटर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। आम आदमी पार्टी के राज्यसभा सांसद डॉ. अशोक कुमार मित्तल ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को ओपन लेटर लिखा है। इस पत्र में उन्होंने भारत पर लगाए गए अतिरिक्त 25 प्रतिशत टैरिफ को लेकर नाराजगी जताई है।

मित्तल ने पत्र में लिखा कि 6 अगस्त को अमेरिका की ओर से भारतीय उत्पादों पर 25 प्रतिशत अतिरिक्त टैरिफ लगाया गया, जिससे कुल टैरिफ 50 प्रतिशत हो गया है। यह कदम भारत द्वारा रूस से तेल खरीदना जारी रखने के कारण उठाया गया है। उन्होंने इसे दो रणनीतिक साझेदार देशों के रिश्ते के खिलाफ बताया और कहा कि यह एकतरफा और निराशाजनक कदम है।

80 अरब डालर से ज्यादा कमाई करती हैं अमेरिकन कंपनियां

सांसद अशोक कुमार मित्तल ने ट्रंप के उस बयान पर भी प्रतिक्रिया दी, जिसमें उन्होंने भारत को डेड इकोनॉमी बताया था। उन्होंने लेटर में लिखा, आपने भारत को डेड इकोनॉमी कहा, जबकि यही भारत आज दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है और जल्द ही तीसरे स्थान पर पहुंचेगा। यह दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ने वाली अर्थव्यवस्था भी है। मित्तल ने यह भी बताया कि अमेरिकी कंपनियां भारत से हर साल 80 अरब डॉलर से ज्यादा की कमाई करती हैं, जिसमें शिक्षा, तकनीक, वित्त और बौद्धिक संपदा जैसे क्षेत्र शामिल हैं। भारत तीसरा सबसे बड़ा एयर ट्रांसपोर्ट मार्केट है, जहां 2022 में 2.45 अरब डॉलर के सौदे हुए थे। साथ ही, अमेरिकी डिजिटल इकोनॉमी काफी हद तक भारतीय कोड पर चलती है।

खुद कर रहा है रूस से खरीदारी

सांसद अशोक कुमार मित्तल ने सवाल उठाया कि जब अमेरिका खुद रूस से यूरेनियम, पैलेडियम और केमिकल्स आयात करता है और उसका करीबी सहयोगी यूरोपीय संघ भी 67.5 अरब यूरो से ज्यादा का व्यापार रूस के साथ कर चुका है तो भारत पर रूस से तेल न खरीदने का दबाव डालना दोहरे मापदंड नहीं है क्या? पत्र के जरिए उन्होंने याद दिलाया कि 7 अगस्त 1905 को स्वदेशी आंदोलन शुरू हुआ था, जिसमें विदेशी नियंत्रण के खिलाफ आर्थिक आत्मनिर्भरता की बात उठी थी। अगर आज भारत के 146 करोड़ लोग इस भावना को अपनाकर अमेरिकी कंपनियों के खिलाफ रणनीतिक कदम उठाएं, तो उसका असर कहीं ज्यादा गंभीर होगा।

कट्टरवाद से लड़ना ही हमारा मूल सिद्धांत : हर्षवर्धन सपकाल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। महाराष्ट्र कांग्रेस के अध्यक्ष हर्षवर्धन सपकाल ने भाजपा पर निशाना साधते हुए कहा कि इस पार्टी के खिलाफ लड़ना इंडिया ब्लॉक में शामिल राजनीतिक दलों का मूल सिद्धांत है। गुरुवार को मीडिया से बातचीत के दौरान उन्होंने उन अटकलों पर विराम लगा दिया, जिसमें कहा जा रहा है कि शिवसेना (यूबीटी) महाविकास अघाड़ी से अलग हो सकती है।

कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि शिवसेना (यूबीटी) के साथ गठबंधन में हम लोगों ने लोकसभा और विधानसभा का चुनाव लड़ा। शिवसेना यूबीटी के प्रमुख उद्धव ठाकरे अभी कांग्रेस के शीर्ष नेतृत्व से मिलने गए हैं। ऐसे में अभी कोई टिप्पणी उचित नहीं होगी।

सपकाल ने यह भी स्पष्ट किया कि संवैधानिक मूल्यों का संरक्षण कांग्रेस का कर्तव्य है, और वे इसे निभाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। उन्होंने भाजपा को गणतंत्र विरोधी करार देते हुए आरोप लगाया कि वह संवैधानिक मूल्यों को कमजोर कर रही है। सपकाल ने ऑपरेशन सिंदूर और पहलगाम आतंकी हमले के बाद सरकार की जवाबदेही पर सवाल उठाए, विशेष रूप से यह दर्शाते हुए कि प्रधानमंत्री मोदी ने ऑल पार्टी मीटिंग में हिस्सा नहीं लिया और इस मुद्दे पर विशेष संसद सत्र नहीं बुलाया गया। उन्होंने इसे राष्ट्रीय एकता और जवाबदेही की कमी बताया है। अमेरिका की ओर से टैरिफ लगाने वाले मुद्दे पर उन्होंने कहा कि अभी राजनीति की जरूरत नहीं है। राहुल गांधी से जरूरत पड़े तो सरकार को राय लेनी चाहिए।

सीएम पटेल कर रहे मोदी से आगे निकलने की तैयारी?

यूसीसी के बहाने गुजरात से नई राजनीति की शुरुआत!

मोदी की सत्ता को चैलेंज, दिल्ली तक हिलेगी कुर्सी?

» क्या मोदी को पीछे छोड़ेंगे मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल?

» यूसीसी लागू होने पर सभी नागरिकों के लिए नियम एकसमान होंगे

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

अहमदाबाद। समान नागरिक संहिता एक ऐसा कानून है जो देश के सभी नागरिकों के लिए एक समान नियम लागू करता है। चाहे कोई हिंदू हो, मुस्लिम हो, सिख हो, ईसाई हो या किसी भी अन्य धर्म, जाति, या लिंग का हो। यूसीसी के तहत सभी के लिए विवाह, तलाक, संपत्ति का बंटवारा, गोद लेना और अन्य व्यक्तिगत मामलों में एक ही कानून लागू होगा। इसका उद्देश्य सभी को समान अधिकार देना और समाज में समानता लाना है। भारत में अभी अलग-अलग धर्मों के लिए अलग-अलग पर्सनल लॉ हैं। हिंदू विवाह अधिनियम, मुस्लिम पर्सनल लॉ, और ईसाई कानून अलग-अलग हैं। यूसीसी लागू होने पर ये सारे अलग-अलग कानून एक ही कानून के तहत आ जाएंगे। जिससे सभी नागरिकों के लिए नियम एकसमान होंगे।

गुजरात सरकार ने हाल ही में समान नागरिक संहिता को लागू करने की दिशा में एक बड़ा कदम उठाया है। मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने इस दिशा में तेजी से काम शुरू कर दिया है। उत्तराखंड के बाद गुजरात देश का दूसरा ऐसा राज्य बनने जा रहा है जहां यूसीसी लागू हो सकता है। उत्तराखंड ने 27 जनवरी 2025 को यूसीसी लागू करके इतिहास रच दिया था और अब गुजरात भी इस रास्ते पर तेजी से आगे बढ़ रहा है। बता दें कि 4 फरवरी 2025 को गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में ऐलान किया कि यूसीसी का मसौदा तैयार करने और इसे लागू करने के लिए एक पांच सदस्यीय समिति बनाई गई और इस समिति को 45 दिनों के अंदर अपनी रिपोर्ट सरकार को सौंपने का निर्देश दिया गया था। हालांकि बाद में इस समय सीमा को बढ़ा दिया गया ताकि समिति सभी पहलुओं पर गहन अध्ययन कर सके और लोगों की राय ले सके।

बता दें कि रंजना देसाई की अध्यक्षता वाली इस समिति ने गुजरात के 33 जिलों का दौरा किया और वहां के लोगों, धार्मिक नेताओं, सामाजिक संगठनों और राजनीतिक नेताओं से बातचीत की। समिति ने अब तक 19 लाख सुझाव एकत्र किए ह जिनमें 38 मुस्लिम संगठनों के साथ हुई चर्चा भी शामिल है। यह दिखाता है कि समिति ने सभी समुदायों की राय लेने की कोशिश की है ताकि यूसीसी का मसौदा सभी के लिए स्वीकार्य हो। मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने हाल ही में इस समिति के साथ एक बैठक की, जिसमें कमेटी ने अब तक के अपने काम की प्रगति के बारे में बताया। उम्मीद है कि अगले एक महीने में यानी सितंबर 2025 तक यह समिति अपनी अंतिम रिपोर्ट सरकार को सौंप देगी। इस रिपोर्ट के आधार पर गुजरात सरकार इसे लागू करने का फैसला लेगी।

लैंगिक समानता को बढ़ावा मिलेगा

वहीं अभी संपत्ति के बंटवारे के नियम भी धर्म के आधार पर अलग-अलग हैं। मुस्लिम कानून में बेटियों को पैतृक संपत्ति में कम हिस्सा मिलता है, जबकि हिंदू कानून में बेटे और बेटी को बराबर हिस्सा मिलता है। यूसीसी लागू होने पर संपत्ति का बंटवारा सभी के लिए एकसमान होगा। जिससे लैंगिक समानता को बढ़ावा मिलेगा। उत्तराखंड में यूसीसी लागू होने के बाद लिव-इन रिलेशनशिप में रहने वाले जोड़ों को रजिस्ट्रेशन कराना अनिवार्य कर दिया गया है। गुजरात में भी ऐसा ही नियम लागू हो सकता है अगर कोई जोड़ा रजिस्ट्रेशन नहीं कराता तो उसे सजा या जुर्माना हो सकता है। यह नियम खासकर युवाओं के बीच चर्चा का विषय बन सकता है।

सबके लिए एक ही कानून होगा

यूसीसी लागू होने पर गुजरात में कई बड़े बदलाव देखने को मिल सकते हैं। ये बदलाव आम लोगों के जीवन को सीधे प्रभावित करेंगे। बता दें कि अभी हिंदू, मुस्लिम, ईसाई, और अन्य धर्मों में शादी के नियम अलग-अलग हैं। मुस्लिम कानून में बहुविवाह (एक से ज्यादा शादी) की इजाजत है, जबकि हिंदू कानून में नहीं। यूसीसी लागू होने पर सभी के लिए एक ही नियम होगा। शादी की उम्र, शादी का रजिस्ट्रेशन और अन्य नियम सभी धर्मों के लिए समान होंगे। तलाक के नियम भी सभी धर्मों के लिए एकसमान होंगे। अभी मुस्लिम कानून में तलाक की प्रक्रिया तलाक-ए-बिद्दत अलग है, जबकि हिंदू और ईसाई कानून में दूसरी प्रक्रियाएं हैं। यूसीसी के तहत तलाक और गुजारा भत्ता के लिए एक ही कानून होगा जिससे सभी को समान न्याय मिलेगा।

यूसीसी का मकसद सभी नागरिकों को समान अधिकार देना

अभी गोद लेने के नियम भी धर्म के आधार पर अलग हैं। मुस्लिम कानून में गोद लेने की प्रकि या बहुत जटिल है, जबकि हिंदू कानून में यह आसान है। यूसीसी के तहत सभी के लिए गोद लेने का एक समान नियम होगा। गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल और गृह मंत्री हर्ष संघवी ने बार-बार कहा है कि यूसीसी का मकसद सभी नागरिकों को समान अधिकार देना है। उनका कहना है कि यह संविधान की भावना के अनुरूप है जो समानता और एकता को बढ़ावा देता है। मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत संविधान की 75वीं वर्षगांठ मना रहा है और यूसीसी लागू करना इस मौके पर एक ऐतिहासिक कदम होगा। भारत के संविधान में अनुच्छेद 44 में ष्टष्ट का जिक्र है। यह अनुच्छेद कहता है कि सरकार को कोशिश करनी चाहिए कि देश में सभी नागरिकों के लिए एक समान नागरिक संहिता लागू हो। संविधान सभा में बाबासाहेब भीमराव अंबेडकर ने भी यूसीसी का समर्थन किया था और उन्होंने कहा था कि विवाह और उत्तराधिकार जैसे मामलों में एक समान कानून होना चाहिए, ताकि देश में समानता आए। हालांकि, यूसीसी को लागू करना संसद का अधिकार है। सुप्रीम कोर्ट ने भी कई बार कहा है कि यूसीसी से संबंधित कानून बनाने का काम संसद का है, न कि कोर्ट का। उत्तराखंड देश का पहला राज्य है जहां यूसीसी लागू हो चुका है। 27 जनवरी 2025 को मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने यूसीसी को लागू करने की घोषणा की थी। जिसके बाद अब लिव-इन में रहने वाले जोड़ों को 16 पेज का फॉर्म भरना होगा और एक प्रमाण पत्र लेना होगा जिसमें लिखा हो कि वे शादी के योग्य हैं अगर रजिस्ट्रेशन नहीं होता, तो 6 महीने की जेल हो सकती है। बेटे और बेटी को माता-पिता की संपत्ति में बराबर हिस्सा मिलेगा। सभी धर्मों के लिए एकसमान नियम लागू होंगे। उत्तराखंड का यह मॉडल गुजरात के लिए भी एक उदाहरण हो सकता है। गुजरात की समिति उत्तराखंड के अनुभवों का अध्ययन कर रही है। ताकि वहां की अच्छी बातों को अपनाया जा सके।

कई बार देश में हो चुकी है बहस

वहीं यूसीसी को लेकर देश में कई बार बहस हो चुकी है। कुछ लोग इसे एक अच्छा कदम मानते हैं, जो समाज में समानता लाएगा। लेकिन कुछ लोग, खासकर कुछ धार्मिक संगठन, इसे अपने धार्मिक रीति-रिवाजों में दखल मानते हैं। जिसको लेकर कुछ मुस्लिम संगठनों का कहना है कि यूसीसी से उनके पर्सनल लॉ जैसे हलाला, इद्दत, या बहुविवाह पर असर पड़ेगा। हालांकि, गुजरात की यूसीसी समिति ने 38 मुस्लिम संगठनों से बातचीत की है ताकि उनकी चिंताओं को समझा जा सके। वहीं कुछ लोग मानते हैं कि यूसीसी जैसे नए नियम पारंपरिक समाज में पूरी तरह स्वीकार नहीं किए जाएंगे, खासकर ग्रामीण इलाकों में। फिर भी, गुजरात सरकार का कहना है कि यूसीसी किसी धर्म या समुदाय के खिलाफ नहीं है। इसका उद्देश्य केवल सभी को समान अधिकार देना है।

यह कदम पूरे देश के लिए एक मिसाल बनेगा: पटेल

वहीं राजनीतिक जानकारों का मानना है कि मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल यूसीसी के बहाने एक नई राजनीति की शुरुआत कर रहे हैं। गुजरात में यूसीसी लागू करके वह न केवल पीएम मोदी के विजन को आगे बढ़ा रहे हैं। बल्कि राष्ट्रीय स्तर पर भी अपनी पहचान मजबूत कर रहे हैं। कुछ लोग इसे भूपेंद्र पटेल की ओर से मोदी से आगे निकलने की कोशिश के रूप में देख रहे हैं। भूपेंद्र पटेल ने बार-बार कहा है कि वह पीएम मोदी के नेतृत्व में काम कर रहे हैं। यूसीसी को लागू करने का फैसला भी पीएम मोदी के एक भारत, श्रेष्ठ भारत के विजन का हिस्सा है। गुजरात सरकार का कहना है कि यह कदम न केवल गुजरात, बल्कि पूरे देश के लिए एक मिसाल बनेगा। गुजरात में समान नागरिक संहिता लागू करना एक बड़ा और ऐतिहासिक कदम है। यह न केवल गुजरात के लोगों के लिए, बल्कि पूरे देश के लिए एक नई दिशा तय कर सकता है। मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल और उनकी सरकार इस दिशा में तेजी से काम कर रही है और यह पीएम नरेंद्र मोदी के विजन को साकार करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। यूसीसी लागू होने से समाज में समानता और एकता को बढ़ावा मिलेगा लेकिन इसके लिए सभी समुदायों का सहयोग जरूरी है। गुजरात की यूसीसी समिति ने सभी पक्षों से राय लेकर यह सुनिश्चित करने की कोशिश की है कि यह कानून सभी के लिए स्वीकार्य हो।

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

जिद... सच की

प्रकृति का प्रलय और हमारी नासमझी

दरकते पहाड़, डूबती जिंदगियां, एक चेतावनी है जो अब इशारा नहीं, विनाश का बिगुल बन चुकी है। पूरा देश इस समय कुदरत के कहर से जूझ रहा है। उत्तराखंड और हिमाचल प्रदेश में बादल फटने, भूस्खलन, नदियों में उफान और भारी बारिश ने जनजीवन को बुरी तरह प्रभावित किया है। वहीं, उत्तर प्रदेश के कई जिलों में गंगा-यमुना की बाढ़ ने लाखों लोगों को बेघर, बेसहारा और भूखा बना दिया है। इस समय का सवाल सिर्फ राहत और पुनर्वास का नहीं है, बल्कि आत्ममंथन का है– क्या हमने अपनी ही जमीन को इतना खोखला कर दिया है कि अब वह हमें दफनाने को तैयार बैठी है? उत्तरकाशी के धराली में आई भीषण तबाही महज कोई प्राकृतिक घटना नहीं है। यह उस सिस्टम और विकास की सोच पर सीधा तमाचा है, जिसने पहाड़ों को सिर्फ पर्यटन, होटल, सुरंगें और बांधों के लिए देखा। हिमालय की गोद को छेदकर हमने सड़कें बनाई, सुरंगें खोदी, पेड़ काटे और नदियों को पत्थरों से बांध दिया। लेकिन अब वही हिमालय कराह रहा है, और उसकी कराह सुनने के लिए सरकारों के पास वक्त नहीं।

हिमाचल में जो हुआ, वह एक बर्बादी की पटकथा थी, जिसे वर्षों से लिखा जा रहा था। पहाड़ों पर हो रहे निर्माण, अवैज्ञानिक कटाई और पर्यावरणीय मंजूरी की अनदेखी अब कहर बनकर टूट रही है। नदियां अब सिर्फ बहती नहीं, बल्कि बदला लेती हैं। और उत्तर प्रदेश की बाढ़ तो एक अलग ही त्रासदी है– जहां विकास के नाम पर हजारों करोड़ खर्च हुए लेकिन नाले नहीं सुधरे, जलनिकासी नहीं बनी, तटबंध नहीं टिके। इन त्रासदियों में सिर्फ इंसान ही नहीं, पूरी व्यवस्था नंगी हो गई है। राहत शिविरों में न रोटी है, न दवा। गांवों में मवेशी मरे पड़े हैं, खेत बह गए हैं, और प्रशासन हेलिकॉप्टर से 'निरीक्षण' कर रहा है। इन आपदाओं ने सिर्फ हमारी तैयारियों की पोल नहीं खोली, बल्कि हमारे विकास मॉडल पर भी सवाल खड़े कर दिए हैं। हम हर साल बाढ़, भूस्खलन और तबाही का सामना करते हैं, फिर भी हम उससे सबक नहीं लेते। न नीति बदली जाती है, न योजनाएं। हर बार मुआवज़ा बांटने और दौरा करने का दिखावा होता है, लेकिन ज़मीन पर कुछ नहीं बदलता। क्या हम सिर्फ तब जागेंगे जब पूरा उत्तर भारत पानी में डूब जाएगा या फिर पहाड़ों के सारे गाँव मलबे में दब जाएँगे? आज जब नदियाँ उफान पर हैं और पहाड़ दरक रहे हैं, तब हमें एहसास हो रहा है कि असली विकास वो होता है जो पर्यावरण के साथ तालमेल बिठाकर किया जाए। अगर हमने समय रहते जलवायु परिवर्तन, अनियंत्रित शहरीकरण और अवैज्ञानिक निर्माण पर लगाम नहीं लगाई, तो आने वाला समय और भी भयावह होगा। कुदरत बार-बार चेतावनी दे रही है, अब भी वक्त है–हम या तो बदल जाएं, या फिर खत्म होने के लिए तैयार रहें।

पूरा देश इस समय कुदरत के कहर से जूझ रहा है। उत्तराखंड और हिमाचल प्रदेश में बादल फटने, भूस्खलन, नदियों में उफान और भारी बारिश ने जनजीवन को बुरी तरह प्रभावित किया है। वहीं, उत्तर प्रदेश के कई जिलों में गंगा-यमुना की बाढ़ ने लाखों लोगों को बेघर, बेसहारा और भूखा बना दिया है।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

ट्रंप के दबाव में रूसी तेल पर ईयू का खेल

पुष्परंजन

हम इस बात से खुश थे, कि भारत ने प्रसंस्करण किये तेल के निर्यात में सऊदी अरब को पीछे छोड़ दिया था। यूरोप वालों को मालूम था कि तेल कहां से आ रहा है, भारत की कौन-सी रिफाइनरी में इनका प्रसंस्करण किया जा रहा है। किन 'शैडो टैंकरों' के ज़रिये इनकी ढुलाई की जा रही है। लेकिन दोहरे चरित्र वाले यूरोप ने अचानक से पलटी मारी, और भारत की रिफाइनरी के खिलाफ प्रतिबन्ध लगाकर अमेरिका के समक्ष परमहंस बनने की कवायद शुरू कर दी। वैसे शैडो टैंकर, जो कच्चे या प्रसंस्करित तेल एक महाद्वीप से दूसरे तक पहुंचाने के लिए इस्तेमाल में थे, उसके स्वामित्व को लेकर ग्रीस भी जांच के घेरे में है, जो यूरोपीय संघ का सदस्य देश है। अमेरिका का पिट्ठू और नाटो का सदस्य तुर्की भी इसमें फंसा है, जो रूसी तेल को शैडो टैंकर के जरिये यूरोपीय देशों को सप्लाई करता था।

छाया टैंकरों के पास वैध कागजात, बीमा वगैरह नहीं होते। फर्जी बीमा के जरिये ये तेल की अवैध ढुलाई करते हैं। ड्रायड ग्लोबल के अनुसार, 'यह बेड़ा लगातार बढ़ता जा रहा है, जिनकी संख्या 1500 पार है।' यूक्रेन युद्ध के बाद शैडो टैंकर्स सबसे अधिक इस्तेमाल में हैं। तरल माल का बार-बार एक टैंकर से दूसरे टैंकर में स्थानांतरण, डेटा में हेराफेरी करना, और स्वचालित पहचान प्रणाली को ब्लैकआउट करना, ये सब शैडो टैंकर्स संचालकों के लिए साधारण सी बात है। जो पश्चिमी देश अपने आपको परमहंस बताते हैं, रूस ने उन्हीं पश्चिमी देशों की कंपनियों से पुराने जहाज खरीदे। कीव स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स का अनुमान है, कि रूस ने 2022 से अपने बेड़े के लिए शैडो टैंकर खरीदने में लगभग 10 अरब डॉलर खर्च किए। यह बेड़ा उन क्षेत्रों के लिए गंभीर पर्यावरणीय और वित्तीय जोखिम को भी दावत देता है, जिन देशों से यह गुजरता है। खासकर किसी रिसाव की स्थिति में उन देशों की जान अटकी रहती है। यूरोपीय संसद की हालिया रिपोर्ट के अनुसार, '60 प्रतिशत जर्जर जहाजों को पश्चिमी यूरोपीय मालिकों ने बेचा था, जिनमें ग्रीस के टैंकर मालिक अब तक के सबसे बड़े विक्रेता रहे हैं।

शेष 40 फीसद ऐसे जंक जहाज भारत, इंडोनेशिया, मलेशिया, सिंगापुर और वियतनाम सहित कई देशों में फैले हुए हैं।' 10 जनवरी 2025 को अमेरिका ने 183 रूस नियंत्रित जहाजों पर प्रतिबंध लगा दिए, जिनमें से 75 ऐसे टैंकर शामिल हैं, जिनकी पहचान छाया बेड़े के रूप में की गई है। ऐसे जहाजों की पहचान अंतर्राष्ट्रीय समुद्री संगठन

(आईएमओ) कोड द्वारा की गई है। इन एक्सपायरी डेट वाले जहाजों को कब, और किसने बेचा? उसका पता लगाने के लिए ब्लूमबर्ग डेटा और आईएमओ कोड का उपयोग करते हैं। अब सवाल यह है, कि भारत ने जो तेल अपने यहां आयात किये, और फिर उसका प्रसंस्करण कर विभिन्न देशों को निर्यात किये, क्या उसके लिए शैडो जहाजी बेड़ों का इस्तेमाल हुआ था? हालांकि, भारत के पास कोई छाया बेड़ा नहीं पाया गया है, लेकिन उस पर छाया बेड़े में शामिल टैंकरों के जरिए रूसी तेल के परिवहन को सुगम बनाने का आरोप लगाया गया है। दुबई स्थित कुछ भारतीय कंपनियां और संस्थाएं, जिनके भारत से संबंध हैं, रूसी तेल के परिवहन में शामिल रही हैं। भारतीय नौवहन रजिस्टर (आईआरएस) ने तेल ढुलाई वाले जहाजों के प्रमाणन में ज़बरदस्त वृद्धि दर्ज की है, जिससे चोरी-छिपे तेल भेजने में उनकी संलिप्तता का संदेह बढ़ा है। हालांकि, आईआरएस का कहना है कि जिन जहाजों को वह प्रमाणित करता है, वे लाइबेरिया और साइप्रस जैसे देशों के झंडों के तहत पंजीकृत हैं, न कि रूसी झंडे के तहत। यूरोपीय संघ ने 20 जुलाई को घोषणा की, कि सदस्य देशों को अब भारत और तुर्की जैसे बाजारों से वैसे परिष्कृत ईंधन खरीदने की अनुमति नहीं होगी, जो मूलत: रूस से आयातित होगा। मुनादी यह भी हुई कि 21 जनवरी, 2026 से, परिष्कृत ईंधन के आयातकों को यह प्रमाण देना होगा, कि यह रूसी कच्चे तेल से उत्पादित नहीं किया गया था। मज़ेदार है, कि ये उपाय कनाडा, नॉर्वे, स्विट्जरलैंड, यूके और अमेरिका से आयात पर लागू नहीं होते हैं। लेकिन क्या यह सब कुछ ट्रम्प के दबाव के पहले से चल रहा था? पिछले साल, एक स्वतंत्र शोध संगठन, 'सेंटर फॉर रिसर्च ऑन एनर्जी एंड क्लीन एयर' (सीआरईए) ने पाया, कि तीन प्रमुख भारतीय रिफाइनरियों जामनगर, वडिनार और मैंगलोर ने रूसी कच्चे तेल का आयात बढ़ा दिया था, और पश्चिमी बाजारों में परिष्कृत उत्पादों का निर्यात कर रही थीं।

सीआरईए ने यह भी पाया, कि तुर्की के तीन बंदरगाह रूसी ईंधन का आयात कर रहे थे, जिसे बाद में यूरोपीय संघ के सदस्य देशों के आयातकों तक पहुंचाया गया। वही पश्चिमी विश्लेषकों का कहना है कि 'रूस ने धीरे-धीरे मेंढक को उबालना सीख लिया है', क्योंकि मास्को, वैश्विक प्रतिक्रिया को भड़काए बिना चुपचाप रणनीतिक लक्ष्यों को प्राप्त कर रहा है। क्या नई दिल्ली उसी राह पर है?

तकनीक के जरिये जीवन रक्षा की हो पहल

पंकज चतुर्वेदी

मॉनसून के मौसम में हिमालयी राज्यों के लिए बादल फटना कोई नई घटना नहीं है, लेकिन बीते एक दशक के दौरान उनकी बढ़ती तीव्रता मौसम विशेषज्ञों के लिए चिंता का विषय बनी हुई है। पिछले दिनों उत्तराखंड के धराली और उससे पहले हिमाचल प्रदेश के मंडी सहित कई स्थानों पर बादल फटने से आई तबाही ने इसे पहाड़ों की सबसे बड़ी विभीषिका बना दिया है। बाढ़, भूस्खलन और गाद के तेज बहाव के साथ भारी बारिश पहाड़ी क्षेत्रों में बड़ी तबाही का कारण बनती है। बार-बार बादल फटने के महत्वपूर्ण कारणों में से एक उच्च ऊंचाई वाली हिमनद झीलों से तेजी से वाष्पीकरण दर है। ग्लोबल वार्मिंग के कारण पिछली शताब्दी के दौरान पृथ्वी के औसत तापमान में 0.75 डिग्री सेल्सियस की वृद्धि हुई है, जिसके परिणामस्वरूप पहाड़ या घाटी ग्लेशियर का तेजी से विनाश हुआ है। हिमालय में हिमनद और हिमनद झीलें खतरनाक रूप से बदल रही हैं। हिमालय में हिमनदों के पीछे हटने की दर 10 से 60 मीटर प्रति वर्ष है।

कई छोटे ग्लेशियर पहले ही गायब हो चुके हैं। यह हिमनद पानी को पिघला देता है और झील अधिक ऊंचाई के कारण बादलों के सीधे संपर्क में आती है, जिससे हिमालय के अधिक ऊंचाई वाले क्षेत्रों में बादल फटने की अनुकूल स्थिति पैदा होती है। समझना होगा कि जब किसी छोटे से इलाके में एक घंटे के अंदर 100 मिमी या उससे अधिक भारी वर्षा होती है, साथ ही तेज हवाएं और बिजली चमकती हैं तो यह बादल फटने के भयावह लक्षण होते हैं। वहीं, यदि किसी क्षेत्र में दो लगातार घंटों में 50 मिमी से अधिक वर्षा होती है तो उसे अल्प- बादल फटना कहा जाता है। तेज गरज के साथ आकाशीय तूफ़ान से बादल फटने की आपदा उभरती है, जहां तीव्र भंवरों से उत्पन्न मजबूत ऊपर की दिशा वाली धाराएं बड़ी मात्रा में पानी को रोकती हैं और अचानक बंद होने पर सीमित भौगोलिक क्षेत्र में कम समय में विनाशकारी वर्षा होती है। यह त्रासदी भारतीय उपमहाद्वीप के दक्षिणी हिमालयी ढलानों पर मॉनसून के महीनों में साल दर साल गहराती जा रही है।

पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय के भारतीय क्षेत्र में जलवायु परिवर्तन के आकलन के अनुसार, 1969-2015 की अवधि में भारत के पश्चिमी तट (प्रति दशक 5) और पश्चिमी हिमालय की तलहटी (प्रति दशक 1) पर अल्पकालिक उच्च तीव्रता वाली वर्षा यानी बादल फटना और अल्प-बादल फटना की घटनाओं में वृद्धि देखी गई है। जुलाई-2025 में मानसून के तेज होने के साथ ही देश में बादल फटने की घटनाएं सामने आई हैं। मॉनसून के पूरे देश को घेरने के साथ, नमी से भरी पूर्वी हवाएं निचले स्तरों से होकर पश्चिमी हिमालय तक पहुंच रही हैं। ये हवाएं ऊपरी स्तरों पर बहने वाली पश्चिमी हवाओं से टकरा रही हैं। विपरीत दिशाओं से बहने वाली हवाओं का संगम क्यूम्यूलोनीम्बस बादलों अर्थात तूफानी बादल या गरज-चमक वाले बादल के निर्माण का कारण बनता है। पर्वतीय क्षेत्र में हवाएं तेज गति से नहीं चलतीं और कभी-कभी छोटे से क्षेत्र में अटक जाती हैं, जिससे भारी बारिश और यहां तक कि बादल फटने की घटना भी होती है।

पश्चिमी हिमालयी क्षेत्र में बादल फटने की घटनाओं की आवृत्ति की वजह उच्च ऊंचाई पर ग्लेशियर झीलों से तेजी से वाष्पोत्सर्जन होना है, जो वैश्विक तापमान वृद्धि का परिणाम है। बढ़ते तापमान और गर्म होते समुद्रों ने वाष्पोत्सर्जन को बढ़ा दिया है, जिससे हवा में नमी की मात्रा अधिक हो गई है। यह उच्च प्रभाव वाले भारी वर्षा की घटनाओं में वृद्धि का कारण बन रहा है। भारत, पाकिस्तान, बांग्लादेश जैसे दक्षिण एशियाई देश विशेष रूप से संवेदनशील हैं क्योंकि ये दक्षिण में तेजी से गर्म हो रहे हिंद महासागर और उत्तर में तेजी से पिघलते ग्लेशियरों के निकट स्थित हैं। 'बढ़ते तापमान के कारण वायुमंडल में नमी का स्तर कुल मिलाकर बढ़ गया है। इसका कारण यह है कि गर्म हवा अधिक मात्रा में और अधिक समय तक नमी रख सकती है। इसके साथ ही बंगाल की खाड़ी से आने वाली मजबूत मानसूनी हवाएं अब पहले से कहीं अधिक नमी लेकर आती हैं, जिससे भारी वर्षा होती है। 1950 के दशक से वैश्विक तापमान वृद्धि के कारण दक्षिण एशिया में जलवायु में बदलाव आया है। अब मध्यम वर्षा के बजाय लंबे सूखे दौर के बीच भारी वर्षा के छोटे-छोटे दौर होते हैं। इसलिए हम लंबे समय तक बारिश नहीं देखते, लेकिन जब बारिश होती है, तो वह कुछ घंटों से लेकर कुछ दिनों में सारी नमी एक साथ बरसाती है।

वैज्ञानिक साक्ष्य पहले ही पुष्टि कर चुके हैं कि अत्यधिक बारिश की घटनाएं अधिक तीव्र और बार-बार होने वाली हैं। ग्लोबल वार्मिंग के कारण बादल फटना अधिक और तीव्र हो सकता है, हालांकि गंभीर संवहनी तूफानों (तूफान, ओलावृष्टि, बादल फटना) में जलवायु परिवर्तन से प्रेरित अस्थिरता के कारण होने वाले बदलाव अभी भी शोध का विषय हैं। दरअसल, हिमालय की स्थलाकृति, इसकी खड़ी और अस्थिर ढलानों की विशेषता, बादल फटने की घटनाओं के लिए एक आदर्श सेटिंग प्रदान करती है, जिसके परिणामस्वरूप अचानक बाढ़ या भूस्खलन की तेजी से शुरुआत हो सकती है। सबसे पहले और सबसे महत्वपूर्ण, उन विशिष्ट स्थानों की पहचान करना अनिवार्य है जहां बादल फटने के परिणामस्वरूप अचानक आई बाढ़ में विनाशकारी घटनाओं का कारण बनने की क्षमता है। नतीजतन, संबंधित जोखिमों को कम करने के लिए इन संवेदनशील क्षेत्रों के निकट स्थित मानव बस्तियों का नक्शा बनाना और उनकी बारीकी से निगरानी करना महत्वपूर्ण है। निचले इलाकों के निवासियों को ऊंची जमीन पर स्थानांतरित करने, बुनियादी ढांचे, घरों और व्यवसायों को बाढ़ के मैदानों से ऊपर उठाने और उन्हें नदियों और धाराओं से दूर स्थानांतरित करने जैसे शमन उपायों के कार्यान्वयन से बादल फटने की घटनाओं से होने वाले घातक नुकसान को कम किया जा सकता है।

सेहत के लिए संजीवनी है स्ट्रॉबेरी

सेहतमंद रहने के लिए फलों का सेवन फायदेमंद है। इसके लिए लोग सेव, आम और केला समेत तमाम फल खाते हैं। लेकिन, क्या आप जानते हैं स्ट्रॉबेरी भी फायदेमंद फलों में से एक है। इसका स्वाद खट्टा-मीठा होता है। स्ट्रॉबेरी अपने रंग, डिजाइन और टेस्ट तीनों की वजह से लोगों के बीच खास बनी हुई है। डाइटिशियन के मुताबिक, स्ट्रॉबेरी एंटीऑक्सीडेंट और पॉलीफेनोक गुणों से भरपूर होता है, जो कई स्वास्थ्य समस्याओं को दूर करने में प्रभावी हो सकता है। इसमें मौजूद विटामिन सी वजन कम करने से लेकर कैंसर के जोखिम को भी कम करने की क्षमता रखता है। आइए जानते स्ट्रॉबेरी खाने के फायदे के बारे में-

इम्युनिटी बढ़ाए

विटामिन सी भरपूर स्ट्रॉबेरी खाने से इम्युनिटी बढ़ाने में मदद मिलती है। साथ ही आपको इंफेक्शन से दूर रखती है। बता दें कि, इसका लाभ लेने के लिए आप दिन में एक कप स्ट्रॉबेरी का सेवन कर सकते हैं। इसको सर्दियों में खाना अधिक फायदेमंद है

हार्ट को हेल्दी रखे

दिल की बीमारियों के दो सबसे बड़े कारण ऑक्सिडेटिव स्ट्रेस और इनफ्लेमेशन हैं। इन दोनों से बचाव करने में स्ट्रॉबेरी अहम भूमिका निभा सकती है। दरअसल, स्ट्रॉबेरी में मौजूद फ्लेवोनॉइड्स और एंटीऑक्सीडेंट्स बैड कॉलेस्ट्रॉल से बचाव करता है जिससे धमनियां ब्लॉक होने से बच जाती हैं।

शुगर कंट्रोल करे

स्ट्रॉबेरी का सेवन डायबिटीज में भी फायदेमंद होता है। दरअसल, स्ट्रॉबेरी में 40 ग्लाइसेमिक इंडेक्स होता है, जो काफी कम है। इसका सीधा मतलब है कि डायबिटीज़ के मरीज बेफिक्र होकर इसे खा सकते हैं। इसके अलावा, नियमित रूप से स्ट्रॉबेरी खाने से टाइप 2 डायबिटीज़ का जोखिम भी कम होता है।

वजन घटाए

शरीर के बढ़ते वजन को कम करने के लिए स्ट्रॉबेरी असरदार है। दरअसल, स्ट्रॉबेरी में कैलोरी कम होती है। फाइबर युक्त स्ट्रॉबेरी खाने के बाद पेट काफी देर तक भरा रहता है और आप अनहेल्दी स्नैक खाने से बच जाते हैं। साथ ही इसमें पाया जाने वाला विटामिन सी आपका मेटाबॉलिज्म तेज़ कर सकता है, जिससे शरीर तेजी से कैलोरी बर्न करता है।

कैंसर से बचाव करे

कैंसर से बचाव करने में स्ट्रॉबेरी को असरदार माना जाता है। दरअसल, स्ट्रॉबेरी में पाए जाने वाले हाई एंटीऑक्सीडेंट कैंसर से बचाव करते हैं। इसके अलावा, स्ट्रॉबेरी में ल्यूटेन और जीथानेसिन्स जैसे एंटीऑक्सीडेंट्स होते हैं, जो कैंसर सेल्स के विकास को रोकते में मदद करते हैं।

हंसना मना है

एक बार चिंटू की पत्नी बीमार थी चिंटू। बेबी अगर आप मर गई तो मैं भी मर जाऊंगा। पत्नी: मैं तो बीमार हूं, तुम क्यों मरोगे? चिंटू- खुशी से...

रिंकू की पत्नी मायके जाने का सोच रही थी पत्नी: सुनो जी, मैं मायके तब जाऊंगी, जब आप मुझे छोड़ने जाओगे। रिंकू: वो तो ठीक है, पर प्रॉमिस करो कि वापस भी तब आओगी जब मैं लेने आऊंगा।

एक बार राजू अपनी बीबी को हॉरर मूवी दिखाने ले गया (अचानक स्क्रीन पर भूत आता है बीबी: हे मां...
राजू: तूने भी पहचान लिया क्या...
(राजू स्क्रीन को हाथ जोड़ते हुए) सास जी प्रणाम...

एक बार सुरेश के स्कूल का प्रिंसिपल नदी में गिर गया, प्रिंसिपल को तैरना नहीं आता था और सुरेश छोटा था। सुरेश चारों ओर चिल्लाता है, पर कोई भी प्रिंसिपल को बचाने नहीं जाता... पुलिस वाले सुरेश से पूछते हैं: तुमने सर को डूबता देख कुछ किया क्यों नहीं? सुरेश: मैंने सबके पास जाकर चिल्लाया पर किसी ने कुछ नहीं किया। पुलिस- तुम चिल्ला क्या रहे थे? सुरेश- छुट्टी... छुट्टी... कल स्कूल की छुट्टी...

कहानी — ईमानदार किसान

गाँव में एक किसान रहता था जो दूध से दही और मक्खन बनाकर बेचने का काम करता था। एक दिन उसकी पत्नी ने उसे बेचने के लिए मक्खन तैयार करके दिया। किसान अपने गाँव से शहर की तरफ रवाना हो गया। किसान की पत्नी ने मक्खन गोल पेड़ों के आकार में बनाकर दिया था और हर पेड़े का वज़न एक किलो था। शहर मे किसान ने उस मक्खन को हमेशा की तरह एक दुकानदार को बेच दिया, और दुकानदार से चायपत्ती, चीनी, तेल और साबुन वगैरह खरीदकर वापस अपने गाँव को रवाना हो गया। किसान के जाने के बाद—दुकानदार ने मक्खन को फिज़र मे रखना शुरू किया.....उसे खयाल आया के क्यूँ ना एक पेड़े का वज़न किया जाए, वज़न करने पर पेड़ा सिर्फ 900 ग्राम का निकला। हैरत और निराशा से उसने सारे पेड़े तोले तो किसान के लाए हुए सभी मक्खन के पेड़े 900-900 ग्राम के ही निकले। अगले हफ्ते फिर किसान हमेशा की तरह मक्खन लेकर जैसे ही दुकानदार की दहलीज़ पर चढ़ा, दुकानदार ने किसान से चिल्लाते हुए कहा—दफा हो जाओ, किसी बेईमान और धोखेबाज़ शख्स से कारोबार करना.. पर मुझसे नही।' दुकानदार फिर गरजा, '900 ग्राम मक्खन को पूरा एक किलो कहकर बेचने वाले शख्स की मैं शक्ल भी देखना पसंद नहीं करता। किसान ने बड़ी 'विनम्रता' से दुकानदार से कहा- मेरे भाई मुझसे नाराज ना हो हम तो गरीब और अनपढ़ लोग हैं, हमारी माल तोलने के लिए बाट (वज़न) खरीदने की हैसियत कहाँ? आपसे जो एक किलो चीनी लेकर जाता हूँ, उसी को तराजू के एक पलड़े मे रखकर दूसरे पलड़े में उतने ही वज़न का मक्खन तोलकर ले आता हूँ।

सीख : जो हम दूसरों को देंगे,वहीं लौट कर आयेगा...चाहे वो मान-सम्मान हो,या फिर धोखा...!!

10 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष

कार्यक्षेत्र में मेहनत से होगा लाभ कामकाज के मामले में दिन अच्छा रहने वाला है। व्यापार में निवेश से लाभ हो सकता है और नौकरी करने वालों को मेहनत का फल जरूरी मिलेगा।

वृषभ

अपने कामकाज को सही दिशा में आगे बढ़ाने में लगे रहेंगे। इसमें आपको सफलता भी जरूर प्राप्त होगी। कार्यस्थल पर आपको मित्रों और सहयोगियों का भी साथ मिलेगा।

मिथुन

आपका दिन मिश्रित परिणाम देने वाला रहेगा। अगर आप करियर में बदलाव करने की सोच रहे हैं, तो अभी का समय इसके लिए अनुकूल नहीं है।

कर्क

आज का दिन कारोबार के मामले में अच्छा रहने वाला है। कार्यक्षेत्र में आपको कोई नया प्रोजेक्ट प्राप्त हो सकता है, जिससे आपका सारा ध्यान उसी तरफ रहेगा।

सिंह

अगर कार्यक्षेत्र में आपके कुछ जरूरी काम अधूरे पड़े हैं, तो उन्हें अब पूरा करने की जरूरत हो सकती है। इसी के चलते आपका दिन भागदौड़ भरा भी रहने वाला है।

कन्या

आपका दिन अच्छा रहने वाला है। लेकिन इसके लिए योजना बनाकर हर कार्य करना बेहतर होगा। कार्यक्षेत्र में पूरी लगन और मेहनत से काम करने से आपको जरूरी कामों में सफलता प्राप्त होगी।

तुला

व्यापार के मामले में आपको कोई भी फैसला सोच-समझकर लेना होगा, अन्यथा नुकसान का सामना करना पड़ सकता है। आर्थिक मामलों में भी सावधानी बरतने की जरूरत है।

वृश्चिक

व्यापार के मामले में परिस्थिति को बेहतर बनाने के लिए आपको अपने काम करने के तरीके में बदलाव लाने की जरूरत होगी। आर्थिक मामलों में दिन सामान्य रहने वाला है।

धनु

आपको लक्ष्य प्राप्त करने के लिए मेहनत करनी पड़ सकती है और किसी भी प्रकार के निवेश में सावधानी बरतनी जरूरी होगी। आर्थिक मामलों में दिन सामान्य रहने वाला है।

मकर

अपने हर कार्य को पूरा करने के लिए अधिक मेहनत करनी पड़ सकती है। व्यापार में भी सोच-समझकर फैसले लेने होंगे और धन या संपत्ति से जुड़े मामलों में भी जल्दबाजी दिखाने से बचें।

कुम्भ

आपके लिए दिन अनुकूल रहने वाला है। अगर कार्यक्षेत्र में लंबे समय से काम सही ढंग से नहीं चल रहा था, तो अब उसमें सुधार आ सकता है, जिससे तनाव भी थोड़ा कम होगा।

मीन

कार्यक्षेत्र में आपको विपरीत परिस्थितियां देखने को मिल सकती हैं, जिससे मन परेशान रहेगा और तनाव भी बढ़ सकता है। आर्थिक मामलों में खर्च बढ़ने की संभावना है।

अगले महीने से ओटीटी पर दस्तक देगी तृप्ति और सिद्धांत की धड़क-2

सिनेमाघरों में अजय देवगन की 'सन ऑफ सरदार 2' के साथ तृप्ति डिमरी और सिद्धांत चतुर्वेदी की रोमांटिक ड्रामा 'धड़क 2' भी 1 अगस्त, 2025 को रिलीज़ हुई थी। इस फिल्म की दर्शकों और क्रिटिक्स ने खूब तारीफ की है हालांकि इसकी बॉक्स ऑफिस परफॉर्मेंस खास नही है। इन सबके बीच फैंस ये जानने के लिए एक्साइटेड हैं कि ये फिल्म ओटीटी पर कब रिलीज हो रही है तो चलिए यहा जानते हैं 'धड़क 2' कब और कहां डिजिटल डेब्यू करेगी?

सिद्धांत चतुर्वेदी और तृप्ति डिमरी की फिल्म की नेटफ्लिक्स पर रिलीज डेट की बात करें तो आमतौर पर थिएटर में लगी फिल्म की ओटीटी रिलीज छह से आठ हफ़्ते के विंडो में होती है। इसलिए, उम्मीद कर सकते हैं कि 'धड़क 2' डिजिटल प्लेटफॉर्म पर 12 से 26 सितंबर के बीच प्रीमियर हो सकती है। हालांकि, न तो निर्माताओं और न ही स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म ने आधिकारिक तौर पर धड़क 2 की ओटीटी रिलीज़ की तारीख अभी कंफर्म की है।

'धड़क 2' एक कॉलेज लव स्टोरी है जिसमें जातिगत भेदभाव के मुद्दे को दिखाया गया है। फिल्म की कहानी एक नीची जाति के लॉ स्टूडेंट नीलेश अहिरवार (सिद्धांत चतुर्वेदी) और उसकी ऊंची जाति की क्लासमेंट विधि भारद्वाज (तृप्ति डिमरी) के इर्द-गिर्द घूमती है। नीलेश और विधि एक-दूसरे से प्यार करने लगते हैं, जिससे विधि के माता-पिता को बहुत चिढ़ होती है। इस कारकण नीलेश और को अपन प्यार के लिए कई मुश्किलों से गुजरना पड़ता है। 'धड़क 2' बॉक्स ऑफिस पर काफी निराशाजनक परफॉर्म कर रही है। दरअसल इस फिल्म को सैयारा, सन ऑफ सरदार 2 और महावतार नरसिम्हा जैसी फिल्मों से मुकाबला करना पड़ रहा है इस वजह से इसे कमाई करने का मौका नहीं मिल रहा है। बता दें कि सैकनिल्क के आंकड़ों के मुताबिक 'धड़क 2' ने रिलीज के 6 दिन में 15।40 करोड़ का कलेक्शन किया है।

ऐश्वर्या राय बनीं बॉलीवुड की दूसरी सबसे अमीर एक्ट्रेस

ऐश्वर्या राय बच्चन एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री की बेहतरीन एक्ट्रेसेस में से एक हैं। सिर्फ इंडिया ही नहीं बल्कि दुनियाभर में ऐश्वर्या राय के लोग दीवाने हैं। अपने सक्सेसफुल एक्टिंग करियर की वजह से ऐश्वर्या एक लैविश लाइफ जीती हैं। उन्होंने अपनी मेहनत के दम पर अलग पहचान बनाई है। ऐश्वर्या लंबे समय से फिल्मों में नजर नहीं आ रही हैं लेकिन उनकी नेटवर्थ बहुत ही तगड़ी है। जिसे सुनकर किसी के भी होश उड़ जाएंगे।

नेटवर्थ के मामले में ऐश्वर्या राय ने कई एक्ट्रेसस को पीछे छोड़ दिया है। वो बॉलीवुड की हाईएस्ट पेड एक्ट्रेसेस में से एक हैं। न्यूज 18 की रिपोर्ट के मुताबिक ऐश्वर्या एक फिल्म के 10 करोड़ रुपये चार्ज करती हैं। साथ ही किसी ब्रांड को एंडोर्स करने के लिए वो 6-7 करोड़ चार्ज करती हैं। सियासत डॉट कॉम ऐश्वर्या राय इंडिया की दूसरी सबसे अमीर एक्ट्रेस बन गई हैं। उनकी नेटवर्थ 900 करोड़ है। एक्टिंग और ब्रांड एंडोर्स करने के साथ ऐश्वर्या बिजनेस की दुनिया में भी आ चुकी हैं। अपने इनवेस्टमेंट की वजह से वो बॉलीवुड की सबसे सक्सेसफुल बिजनेसवुमेन हैं।

जब रियल स्टेट की बात आती है तो ऐश्वर्या ने कई प्रॉपर्टीज खरीदी हुई हैं। वो ब्रांद्रा में एक बड़े बंगले में रहती हैं जिसकी कीमत 50 करोड़ है। इसके अलावा उनका दुबई में भी एक विला है। वर्कफ्रंट की बात करें तो ऐश्वर्या राय ने लंबे समय से फिल्मों से दूरी बनाई हुई है। वो आखिरी बार 2023 में आई फिल्म पीएस 2 में नजर आई थीं। उसके बाद से उन्होंने अपने किसी भी प्रोजेक्ट की अनाउंसमेंट नहीं की है।

बॉलीवुड | मन की बात

प्रेग्नेंसी के दौरान प्रोड्यूसर ने मुझे टाइट कपड़े पहनाए : राधिका आप्टे

राधिका आप्टे फिल्मों में छाई रहती हैं। उन्हें ओटीटी क्वीन कहा जाता है। राधिका अपनी पर्सनल लाइफ के बारे में ज्यादा बात नहीं करती हैं। मगर हाल ही में उन्होंने अपने प्रेग्नेंसी के दिनों को याद किया जब उन्हें एक प्रोड्यूसर के अजीब से बर्ताव का शिकार होना पड़ा था। राधिका पिछले साल ही मां बनी हैं। उन्होंने बेटी को जन्म दिया है। राधिका ने हाल ही में नेहा धूपिया के चैट शो फ्रीडम टू फीड में नजर आईं, जहां उन्होंने माना कि प्रेग्नेंट एक्ट्रेस को लेकर अब भी बॉलीवुड दकियानूसी सोच में उलझा हुआ है। नेहा धूपिया के चैट शो फ्रीडम टू फीड के दौरान राधिका ने बताया कि प्रेग्नेंसी की अनाउंसमेंट के बाद उन्हें कई इमोशनल और फिजिकल चुनौतियों का सामना करना पड़ा था। उन्होंने मां बनने को लेकर समाज में मौजूद पुराने सोच और भेदभाव पर भी बात की। राधिका ने कहा- मैं उस समय जिन इंडियन प्रोड्यूसर के साथ काम कर रही थी, उन्हें मेरी प्रेग्नेंसी की खबर अच्छी नहीं लगी। राधिका ने कहा- उनका बर्ताव मेरे लिए सख्त हो गया था और उन्होंने मुझसे टाइट कपड़े पहनने की जिद की, जबकि मैं उस समय खुद को बहुत असहज महसूस कर रही थी। मैं अपनी प्रेग्नेंसी के पहले ट्राइमेस्टर में थी, मुझे बार-बार भूख लगती थी, और मैं चावल या पास्ता जैसी चीजें ज्यादा खा रही थी। शरीर में आम बदलाव आ रहे थे, लेकिन उस समय समझदारी दिखाने के बजाय उन्होंने मुझसे बेरूखी से बर्ताव किया। अभिनेत्री ने बताया कि दर्द और मेरे असहज होने के बावजूद प्रोड्यूसर ने सेट पर डॉक्टर से मिलने की अनुमति तक नहीं दी। हालांकि, राधिका उस दौरान इंटरनेशनल प्रोजेक्ट पर भी काम कर रही थीं, जिसको लेकर उन्होंने प्रोड्यूसर की तारीफ करते हुए कहा- हॉलीवुड के एक फिल्म निर्माता ने मेरा बहुत सपोर्ट किया था। जब मैंने उनसे कहा था कि मैं ज्यादा खा रही हूं और शूटिंग के आखिरी तक मेरा लुक बदल सकता है, तो उन्होंने हंसकर कहा, चिंता मत करो, अगर तुम इस प्रोजेक्ट के आखिरी तक पूरी तरह बदल भी जाओ, तो भी कोई बात नहीं, क्योंकि तुम प्रेग्नेंट हो।

वैज्ञानिकों से भी तेज हैं ये जीव, पानी बरसने का देते हैं सटीक संकेत

छतरपुर। आज भले ही टेक्नोलॉजी आ गई हो। घर बैठे मौसम विभाग से बारिश की जानकारी मिल जाती हो लेकिन आज भी ऐसे जीव-जंतु हैं, जो अपनी हलचलों से भविष्य के संकेत बता देते हैं। ये जीव मौसम विभाग से भी तेज संकेत देते हैं। जब दुनिया में टेक्नोलॉजी नहीं थी, बड़े-बड़े वैज्ञानिक नहीं थे, तो भी इंसान को भविष्य में बारिश के मौसम को लेकर संकेत मिल जाते थे। हालांकि आज दुनिया में टेक्नोलॉजी के चलते बारिश की जानकारी घर बैठे ही मिल जाती है। वहीं आज भी दुनिया में ऐसे जीव-जंतु हैं, जो अपनी हलचलों से बारिश की जानकारी देते हैं। मध्य प्रदेश के छतरपुर निवासी जानकार बृजमोहन शुक्ला बताते हैं कि हमारे पुरखे हमें बताते आए हैं कि घर में सैकड़ों की संख्या में जब काली चीटियां अंडे लेकर निकलती हैं, तो इसे बारिश से जोड़ा जाता है। चीटियों की इस हलचल से जुड़ी मान्यता है कि तेज बारिश होगी। यह संकेत कभी गलत नहीं होता है। हमारा सालों का अनुभव है। सिर्फ बारिश के मौसम में ही नहीं, साल के किसी भी महीने में अगर चीटियां अंडे लेकर निकलती हैं, तो तेज बारिश का ही संकेत माना जाता है। बृजमोहन शुक्ला बताते हैं कि बारिश का संकेत सांप भी देता है। जब सांप पेड़ पर चढ़ने लगता है, तो समझ जाइए कि अभी तेज बारिश होगी।

पनडुब्बी पक्षी से भी मिलते हैं संकेत

वह आगे बताते हैं कि सिर्फ चीटियां और सांप ही नहीं बल्कि तालाब में जो पनडुब्बी पक्षी होता है, वह भी बरसात का संकेत देता है। मादा पक्षी जब अपने अंडे ऊंचाई पर रखती है, तो इसका मतलब होता है कि बारिश तेज होगी। मानसून तेज रहेगा।

अजब-गजब | इस समुदाय में मनायी जाती है प्याला या मनवार रस्म

राजस्थान के इन इलाकों में शादी होते ही दुल्हन को ससुराल वाले ही परोसते हैं शराब, खिलाते हैं चखना

राजस्थान, जहां संस्कृति और परंपराओं का अनूठा संगम देखने को मिलता है, वहां शादियां केवल दो लोगों का मिलन नहीं, बल्कि रीति-रिवाजों और सामाजिक बंधनों का उत्सव होता है। विशेष रूप से राजपूती शादियों में एक ऐसी रस्म है, जो अपनी अनोखी प्रकृति के कारण चर्चा में रहती है—प्याला या मनवार रस्म। इस रस्म में दुल्हन का स्वागत शराब से किया जाता है, जिसे सौभाग्य और समृद्धि का प्रतीक माना जाता है। हालांकि, गैर-शराबी परिवार इस रस्म को कोल्ड ड्रिंक या जूस के साथ निभाते हैं, जिससे यह परंपरा समकालीन संवेदनाओं के साथ भी तालमेल बिठाती है।

प्याला रस्म, जिसे मनवार रस्म भी कहा जाता है, राजपूत समुदाय की शादियों में एक विशेष स्थान रखती है। इस रस्म में दुल्हन के ससुराल पहुंचने पर उसे एक प्याला या गिलास में शराब पेश की जाती है। यह शराब, जो अक्सर स्थानीय रूप से बनी देसी शराब या व्हिस्की होती है, परिवार की ओर से स्वागत और शुभकामनाओं का प्रतीक होती है। कुछ परिवारों में दुल्हन को केवल प्याला छूने या उसका तिलक करने को कहा जाता है, जबकि अन्य में परिवार

के बुजुर्ग इस प्याले को ग्रहण करते हैं। यह रस्म ना केवल दुल्हन का स्वागत करती है, बल्कि परिवार के बीच एकजुटता और खुशी का संदेश भी देती है।

हालांकि, यह रस्म सभी राजपूती परिवारों या राजस्थान के सभी क्षेत्रों में नहीं अपनाई जाती। उदयपुर, जोधपुर और जयपुर जैसे क्षेत्रों में यह रस्म अधिक प्रचलित है, खासकर उन परिवारों में जो परंपराओं को कड़ाई से मानते हैं। वहीं, बीकानेर और जैसलमेर जैसे कुछ क्षेत्रों में यह रस्म कम देखी जाती है और कई परिवार इसे पूरी तरह छोड़ देते है। गैर-शराबी परिवारों में इस रस्म को शीतल पेय, नारियल पानी या फलों के रस के साथ निभाया जाता है। यह लचीलापन दर्शाता है कि राजस्थान की परंपराएं समय के साथ बदलाव को स्वीकार कर रही है।

सामाजिक और सांस्कृतिक विशेषज्ञों का मानना है कि प्याला रस्म की उत्पत्ति राजपूतों की योद्धा संस्कृति से जुड़ी हो सकती है। प्राचीन काल में शराब को साहस, उत्साह और उत्सव का प्रतीक माना जाता था। युद्ध से लौटने वाले योद्धाओं का स्वागत शराब से करना आम था और संभवतः यही परंपरा शादियों में शामिल हो गई। हालांकि, आधुनिक समय में शराब के सेवन को लेकर बढ़ती जागरूकता और सामाजिक बदलावों के कारण कई परिवार इस रस्म को संशोधित कर रहे हैं। उदाहरण के लिए, जोधपुर के एक राजपूत परिवार ने बताया कि वे अब इस रस्म में गुलाब जल या शरबत का उपयोग करते हैं, ताकि सभी मेहमान और परिवारजन इसमें शामिल हो सकें।

गौतम अदाणी का भरोसा, अब हम सिर्फ यात्री नहीं चालक बनेंगे

बोले- 2050 तक भारत बनेगा 25 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था

» देश की असली ताकत उसकी 140 करोड़ जनसंख्या

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। आईआईएम लखनऊ में छात्रों को संबोधित करते हुए देश के दिग्गज उद्योगपति और अदाणी ग्रुप के चेयरमैन गौतम अदाणी ने भारत के आर्थिक भविष्य पर भरोसे का एक बड़ा बयान देते हुए कहा है कि भारत अब केवल उभरती हुई अर्थव्यवस्था नहीं बल्कि दुनिया को दिशा देने वाली ताकत बन चुका है। उनका मानना है कि 2050 तक भारत 25 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनकर वैश्विक मंच पर वही स्थान हासिल करेगा जो कभी पश्चिमी देशों का था। उन्होंने कहा कि इस बार भारत अपने तरीके और अपनी शर्तों पर यह मुकाम पाएगा। गौतम अदाणी ने कहा कि देश की असली ताकत उसकी 140 करोड़ की जनसंख्या तेजी से आगे बढ़ती तकनीक विशाल घरेलू बाजार बढ़ती उपभोक्ता मांग और आत्मनिर्भरता की नीतियां हैं। ये सभी मिलकर आने वाले वर्षों में भारत को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाएंगी।

उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि यह विकास सिर्फ कागज़ी अनुमान नहीं बल्कि मौजूदा आधारभूत संरचना और नीतिगत सुधारों पर आधारित वास्तविक संभावना है। अदाणी ग्रुप के चेयरमैन गौतम अदाणी ने युवाओं को सीधे संबोधित करते हुए कहा कि यह समय सपनों का नहीं संकल्प का है। सिर्फ नौकरी तलाशने वाले मत बनो बल्कि नौकरी देने वाले बनो। इस आर्थिक सफर में यात्री नहीं चालक बनो। उन्होंने छात्रों से कहा कि देश की प्रगति का हिस्सा बनना उनके हाथ में है और आने वाले 25 सालों में वही पीढ़ी भारत को आर्थिक महासत्ता बनाने की दिशा में सबसे बड़ी भूमिका निभाएगी।

युवा ही देश का है असली इंजन

गौतम अदाणी ने कहा कि भारत के पास दुनिया की सबसे युवा जनसंख्या है जिसकी औसत आयु महज 28 साल कि है। यह वही ताकत है जो आने वाले 25 वर्षों तक न सिर्फ घरेलू मांग को बढ़ाएगी बल्कि नवाचार, उद्यमिता और वैश्विक नेतृत्व में भी देश को आगे ले जाएगी। उन्होंने छात्रों से कहा कि आने वाला भारत रोजगार चाहने वालों का देश नहीं बल्कि रोजगार देने वालों का देश होगा।

यह समय सपनों का नहीं संकल्प का है

युवा इतिहास पढ़ने वाले नहीं लिखने वाले बने

अदाणी ने अपने भाषण के अंत में युवाओं से कहा कि भारत की कहानी अब आपके हाथ में है। 2050 का भारत आज से बेहतर मजबूत और आत्मनिर्भर होगा अगर आप उसमें अपना पसीना मेहनत और बुद्धि लगाएंगे। सिर्फ इतिहास पढ़ने वाले मत बनो इतिहास लिखने वाले बनो। वहीं गौतम अदाणी ने भारत के विकास की दिशा तय करने वाले चार बड़े स्तंभों पर विशेष जोर देते हुए कहा कि भारत में डिजिटल लेन-देन ई-कॉमर्स और टेक्नोलॉजी स्टार्टअप्स की तेज़ी दुनिया में मिसाल बन चुकी है। उनके मुताबिक सौर और पवन ऊर्जा के साथ परमाणु और स्वदेशी ऊर्जा उत्पादन में बढ़ते निवेश से भारत आत्मनिर्भर बन रहा है। उन्होंने छात्रों को संबोधित करते हुए बताया कि जलवायु परिवर्तन से लड़ने और सतत विकास के लिए बड़े पैमाने पर हरित निवेश हो रहा है। वहीं हाईवे, मेट्रो, बंदरगाह, एयरपोर्ट और स्मार्ट सिटी प्रोजेक्ट्स में तेजी से हो रहे बदलाव आने वाले दशकों में आर्थिक गति को कई गुना बढ़ा देंगे। उनके मुताबिक इन चार स्तंभों पर खड़ी अर्थव्यवस्था न केवल आत्मनिर्भर होगी, बल्कि वैश्विक अर्थव्यवस्था में अपनी शर्तों पर योगदान देगी।

विश्व में भारत की अब नई पहचान

अदाणी के मुताबिक भारत अब अनुसरण करने वाला देश नहीं बल्कि दिशा देने वाला देश बन चुका है। उन्होंने कहा कि जिस तरह पश्चिमी देशों ने अपने समय में औद्योगिक क्रांति और तकनीकी विकास के जरिए विश्व अर्थव्यवस्था में दबदबा बनाया उसी तरह भारत भी अब डिजिटल क्रांति हरित विकास और आत्मनिर्भरता के जरिए वही मुकाम हासिल करेगा लेकिन बिना पश्चिम की नकल किए। आईआईएम लखनऊ के सभागार में मौजूद छात्रों ने गौतम अदाणी के भाषण को लंबे समय तक तालियों से सराहा। वहां मौजूद शिक्षकों और प्रबंधन विशेषज्ञों ने कहा कि यह संबोधन केवल आंकड़ों की बात नहीं कर रहा था बल्कि एक राष्ट्रीय विज़न को शब्द दे रहा था जो आने वाले वर्षों में हर भारतीय को प्रेरित करेगा।

योगी पर बनी फिल्म को लेकर हाईकोर्ट के निर्देश

» सीबीएफसी ने मांगा था सीएम योगी आदित्यनाथ से नो-ऑब्जेक्शन सर्टिफिकेट

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। बॉम्बे हाई कोर्ट ने सीबीएफसी को फिल्म अजेय: द अनटोल्ड स्टोरी ऑफ ए योगी के सर्टिफिकेशन के लिए उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से नो-ऑब्जेक्शन सर्टिफिकेट (एनओसी) मांगने पर कड़ी फटकार लगाई है। कोर्ट ने सीबीएफसी को निर्देश दिया है कि वह बिना ठोस कारण बताए फिल्म की सर्टिफिकेशन प्रक्रिया को रोके नहीं।

यह निर्देश तब आया जब फिल्म के मेकर्स ने आरोप लगाया कि सीबीएफसी ने उनकी फिल्म का सर्टिफिकेट बिना कोई साफ वजह बताए ही रिजेक्ट कर दिया, जो कि 2024 के सर्टिफिकेशन रूल्स के खिलाफ है। सम्राट सिनेमैटिक्स की तरफ से वकीलों नाफडे, सतत्य आनंद और निखिल अड़धे ने कोर्ट में कहा कि 2024 के नियमों के तहत, सीबीएफसी की जिम्मेदारी है कि अगर किसी सीन या डायलॉग पर आपत्ति हो, तो वो साफ-साफ बताएं, ताकि मेकर्स सही जवाब दे सकें या जरूरत पड़ने पर बदलाव कर सकें। जब जस्टिस रेवती मोहिते डेरे और डॉ. नीला गोकले की बेंच ने देखा कि सीबीएफसी का रवैया अड़चन पैदा करने वाला लग रहा है।

शरद पवार निकालेंगे मंडल यात्रा

» सभी तैयारियां पूरी, मराठा राजनीतिक के बाद अब ओबीसी पालिटिक्स

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। महाराष्ट्र में स्थानीय निकाय चुनावों को देखते हुए वहां के कद्दावर नेता शरद पवार ने मराठा पॉलिटिक्स के बाद अब ओबीसी कार्ड खेलने की तैयारी की है। ऐसे में चर्चा छिड़ गई है कि शरद पवार बीजेपी की अगुवाई वाले महायुति गठबंधन के प्लान को चौपट कर देंगे। शरद पवार की अगुवाई वाली राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के मुख्यालय वाले शहर और राज्य की दूसरी राजधानी नागपुर में मंडल यात्रा निकालने का ऐलान किया है।

राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के नेता और पूर्व गृह मंत्री अनिल देशमुख ने कहा कि 9 अगस्त को क्रांति दिवस के अवसर पर एनसीपी की ओर से मंडल यात्रा निकाली जा रही है, जिसकी शुरुआत नागपुर से होगी। इस यात्रा को पार्टी प्रमुख शरद पवार हरी झंडी दिखाकर रवाना करेंगे। देशमुख ने कहा कि उन्होंने कहा कि जब देश के प्रधानमंत्री वीपी सिंह थे, तब उन्होंने मंडल आयोग की घोषणा की थी। उस समय महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री शरद पवार थे। उन्होंने इस आयोग की सिफारिशों को महाराष्ट्र में लागू किया, जिससे ओबीसी (पिछड़ा वर्ग) को आरक्षण मिला। यह पहल करने वाला महाराष्ट्र पहला राज्य बना और इसका सीधा लाभ ओबीसी समाज को मिला।

चौपट कर देंगे आरएसएस का प्लान

ओबीसी समाज तक पहुंचना चाहते हैं

देशमुख ने यह भी कहा कि यह यात्रा शरद पवार के ओबीसी समाज के लिए किए गए योगदान को जनता तक पहुंचाने के लिए निकाली जा रही है। जब यह मंडल आयोग लागू किया गया, तब कुछ राजनीतिक दलों ने इसका विरोध किया और %कमंडल यात्रा% निकाली। इन पार्टियों ने वीपी सिंह की सरकार भी गिरा दी थी। आज वही लोग सत्ता में हैं। यह सच्चाई जनता को जाननी चाहिए, इसलिए मंडल यात्रा जरूरी है। अनिल देशमुख ने बताया कि यह यात्रा सिर्फ आरक्षण पर नहीं, बल्कि किसानों, महिलाओं, युवाओं और कानून-व्यवस्था से जुड़े मुद्दों को उजागर करने के लिए महाराष्ट्र के विभिन्न जिलों में जाएगी।

उभरते वालीबॉल खिलाड़ियों को मिलेगा मंच

» उत्तर प्रदेश प्रो वालीबॉल लीग में आठ टीमें ले रहीं हिस्सा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नोएडा। उत्तर प्रदेश प्रो वालीबॉल ली की शुरुआत ग्रेटर नोएडा स्थित शहीद विजय सिंह पथिक स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में हो चुकी है। इस लीग के आयोजन का उद्देश्य राज्य में खेलों को बढ़ावा देना है। इस मौके पर फिल्म अभिनेता राजपाल यादव मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। उन्होंने सभी आठ टीमों के खिलाड़ियों और मालिकों के साथ मिलकर लीग का शुभारंभ किया। राजपाल यादव ने कहा कि यह वॉलीबॉल लीग न सिर्फ खिलाड़ियों को एक बड़ा मंच देगी, बल्कि उत्तर प्रदेश में खेल संस्कृति को भी नया मुकाम देगी।

फिल्म अभिनेता ने कहा कि इस लीग के जरिए प्रदेश और देश के उभरते वॉलीबॉल खिलाड़ियों को वैश्विक स्तर पर पहचान मिलेगी। लीग के पहले ही दिन दो मुकाबले खेले गए। उद्घाटन मुकाबला नोएडा थंडर्स और लखनऊ टाइगर्स के बीच हुआ, जबकि दूसरा मैच अयोध्या सुपरकिंग्स और गोरखपुर जाइंट्स के बीच खेला गया। उत्तर प्रदेश प्रो वॉलीबॉल लीग में कुल 8 टीमें हिस्सा ले रही हैं। इनमें नोएडा थंडर्स, लखनऊ टाइगर्स, अयोध्या सुपरकिंग्स, मथुरा योद्धाज, गोरखपुर जाइंट्स, मुरादाबाद बुल्स, काशी वॉरियर्स और मुजफ्फरनगर लॉयन्स की टीमें हैं। यह लीग 15 दिनों तक चलेगी। 21 अगस्त को इसका समापन होगा। कार्यक्रम में भाजपा के पूर्व मंत्री गुरमीत सिंह सोढ़ी, गौतमबुद्ध नगर के भाजपा जिलाध्यक्ष अभिषेक शर्मा, उत्तर प्रदेश प्रो वॉलीबॉल लीग के चेयरमैन प्रबल प्रताप सिंह तोमर, संस्थापक कुलवंत बालियान और सीईओ विश्वास बंसल प्रमुख रूप से मौजूद रहे।

प्रदेश के खिलाड़ियों में है खासा उत्साह

उत्तर प्रदेश में पहली बार इस स्तर की प्रो वॉलीबॉल लीग का आयोजन किया जा रहा है, जिससे प्रदेश के खिलाड़ियों में खासा उत्साह है। आने वाले दिनों में इस लीग के जरिए कई नई प्रतिभाएं उभरकर सामने आने की उम्मीद की जा रही है। स्टेडियम में दर्शकों का उत्साह देखते ही बनता था, जो अपने पसंदीदा खिलाड़ियों और टीमों का हौसला बढ़ाते नजर आए।

पटना की सड़कों पर छात्रों पर बरसी पुलिस की लाठियां

» एसटीईटी परीक्षा की मांग को लेकर प्रर्दशन कर रहे थे छात्र

» बड़ी संख्या में छात्रों के जख्मी होने की सूचना

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। बिहार के पटना सिटी में एसटीईटी की परीक्षा की मांग को लेकर सैकड़ों छात्र पटना की सड़कों पर उतरे । इस बीच, छात्रों को सड़कों से हटाने के लिए पुलिस को लाठियां भांजनी पड़ी।

इसमें कई छात्रों के घायल होने की भी खबर है। बताया जाता है कि शिक्षक भर्ती के लिए टीआरई-4 के पहले एसटीईटी आयोजित करने की मांग को लेकर बड़ी संख्या में छात्र आज पटना पहुंचे और आयोजित प्रदर्शन में शामिल हुए।

बैरिकेडिंग कर रोक दिया

पटना कॉलेज से निकले छात्रों का जुलूस जैसे ही जेपी गोलंबर के पास पहुंचा, पुलिस ने बैरिकेडिंग कर रोक दिया। पुलिस के अधिकारियों के मुताबिक कई बार प्रदर्शकारी छात्रों को सड़क से हटने को कहा गया, लेकिन छात्र मानने को तैयार नहीं हुए। कुछ प्रदर्शनकारी जब आगे बढ़ने की कोशिश करने लगे तो पुलिस ने उन्हें रोका। स्थिति बेकाबू होने लगी तो लाठी के बल पर प्रदर्शनकारियों को खदेड़ दिया। प्रदर्शनकारी छात्र-छात्राएं इस दौरान बिहार सरकार के खिलाफ जमकर नारे लगाए।

एसटीईटी की परीक्षा

प्रदर्शकारी छात्रों का कहना है कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने टीआरई-4 और टीआरई-5 का ऐलान कर दिया है, जिनमें डोमिसाइल नीति लागू करने का आश्वासन दिया गया है। लेकिन, जिन छात्र-छात्राओं ने अभी तक टीईटी परीक्षा पास नहीं की है, वे इस अवसर से वंचित रह जाएंगे। छात्रों का कहना है कि पहले सरकार एसटीईटी की परीक्षा ले, जिससे इस परीक्षा में उत्तीर्ण छात्र-छात्राएं भी टीआरई दे सकें। प्रदर्शनकारियों का कहना है कि बड़ी संख्या में शिक्षक की तैयारी करने वाले छात्र-छात्राएं है जो टीईटी पास नहीं हैं। उन्हें भी टीआरई-4 में नौका मिले, इसके लिए एसटीईटी कराना अनिवार्य है। प्रदर्शनकारी छात्रों का कहना है कि सरकार पिछले डेढ़ साल से किसी भी एसटीईटी का आयोजन नहीं कर रही है। इसकी वजह से दो सत्र के लगभग पांच लाख बच्चे इस परीक्षा से वंचित रह रहे हैं। छात्रों ने कहा कि सरकार हम लोगों को छलना चाहती है और ठगना चाहती है।

कपिल शर्मा के पीछे पड़ा लारेंस बिश्नोई, दोबारा हुई फायरिंग

» कमेडियन कपिल ने कनाडा में खोली है काफी शॉप

» मुंबई पुलिस कपिल शर्मा को मुहैया कराएगी सुरक्षा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कमेडियन कपिल शर्मा के कनाडा के सरे स्थित कैप्स कैफे पर एक महीने में दूसरी बार हुई फायरिंग की घटना ने हड़कंप मचा दिया है। इस घटना के बाद मुंबई पुलिस अलर्ट मोड पर है और कपिल शर्मा को पुलिस सुरक्षा प्रदान करने पर विचार कर रही है। मुंबई पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि जरूरत पड़ने पर कपिल शर्मा को सुरक्षा दी जा सकती है। 7 अगस्त को हुई इस फायरिंग की जिम्मेदारी गोल्डी ढिल्लों और लॉरेंस बिश्नोई गैंग ने ली है।

सोशल मीडिया पोस्ट में दावा किया गया कि यह हमला गोल्डी ढिल्लों और लॉरेंस बिश्नोई गैंग ने किया है। पोस्ट में लिखा था, हमने कपिल को कॉल किया, लेकिन उसने सुना नहीं। इसीलिए यह कार्रवाई की गई। अगर अब भी नहीं माना, तो अगली कार्रवाई मुंबई में होगी। इस धमकी ने पुलिस की चिंता बढ़ा दी है। पहली फायरिंग के बाद क्राइम ब्रांच ने कपिल से पूछताछ की थी और जानना चाहा था कि क्या उन्हें गैंग से कोई धमकी या वसूली का कॉल मिला था। कपिल ने तब कहा था कि ऐसा कुछ नहीं हुआ। अब दूसरी घटना के बाद क्राइम ब्रांच फिर से कपिल से पूछताछ करेगी और सोशल मीडिया पोस्ट से जुड़े सवाल पूछेगी। साथ ही, यह जांच की जा रही है कि क्या गैंग से जुड़े लोगों ने कपिल के घर या शूटिंग सेट के आसपास रेकी की थी।

इससे पहले बब्बर खालसा के हरजीत सिंह ने चलाई थी गोली

इससे पहले, जुलाई में कपिल के सरे स्थित कैफे पर बब्बर खालसा के हरजीत सिंह ने 9 गोलियां चलाई थीं। हरजीत ने दावा किया था कि यह हमला कपिल के टीवी शो में निहंग सिखों के परिधान पर की गई टिप्पणी के जवाब में था। यह हमला गुरुवार तड़के 2 बजे हुआ था, जब कैफे बंद था, इसलिए कोई हताहत नहीं हुआ। सरे पुलिस ने घटनास्थल की जांच की। कपिल ने अभी तक इस मामले पर कोई बयान नहीं दिया है।

पूर्व गवर्नर सत्यपाल मलिक को सदन में दी गयी श्रद्धांजलि

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। लोकसभा में आज सदन की कार्यवाही शुरू होते ही स्पीकर ओम बिरला ने पूर्व राज्यपाल और वरिष्ठ नेता सतपाल मलिक के निधन की घोषणा की। सभी दलों के सदस्यों ने मौन धारण कर उनकी जनसेवा को श्रद्धांजलि अर्पित की।

सदन ने भारत छोड़ो आंदोलन की 83वीं वर्षगांठ भी मनाई गयी जिसे पूरा देश शनिवार को मनाएगा। सदन ने राष्ट्रपिता महात्मा गांधी को इस आंदोलन के लिए राष्ट्र को प्रेरित करने, तत्काल स्वतंत्रता के उनके आह्वान के लिए याद किया और भारत की स्वतंत्रता के लिए अपने प्राणों की आहुति देने वाले शहीदों को श्रद्धांजलि दी।

विपक्षी सांसदों ने वी वांट जस्टिस और वोट की चोरी बंद करो जैसे नारे लगाए, जिसके बाद सत्र में व्यवधान हुआ। ओम बिरला ने बार-बार सांसदों से शांति बनाए रखने की अपील की और कहा कि पूरा देश आपको देख रहा है। आप हर दिन कार्यवाही बाधित करने के लिए जिम्मेदार हैं। हंगामे के बीच, कई सांसदों ने अपने क्षेत्र की समस्याएं उठाने की कोशिश की। कालीचरण सिंह (बीजेपी, चतरा) और राजेश मिश्रा (बीजेपी, सिद्धि) ने सरकार से डॉक्टरों की भारी कमी और स्वास्थ्य सुविधाओं की खामियों पर सवाल उठाए।

अनुप्रिया पटेल ने की जवाब देने की कोशिश

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण राज्य मंत्री अनुप्रिया पटेल ने जवाब देने की कोशिश की लेकिन हंगामे के कारण उनकी बातें साफ सुनाई नहीं दीं। उत्तर प्रदेश के खीरी से सपा सांसद उत्कर्ष वर्मा ने रासायनिक और उर्वरक मंत्री जगत प्रकाश नड्डा से उत्तर प्रदेश में उर्वरक आपूर्ति के बारे में सवाल किया। पंजाब के बठिंडा से शिरोमणि अकाली दल की सांसद हरसिमरत कौर बादल ने पंजाब में डीएपी उर्वरक की कमी का मुद्दा उठाया। अन्य सांसदों, जैसे अमलापुरम से टीडीपी के हरीश बालयोगी, जनार्दन सिंह सिगीवाल, और नरसारोपेट से टीडीपी के लवु श्री कृष्ण देवरायलु ने आयुष मंत्री प्रताप राव गणपत राव जाधव से स्वास्थ्य से जुड़े मुद्दों पर बात करने की कोशिश की।

सावधान! रक्षाबंधन से पहले नकली मिठाइयों की बजार में भरमार

» नोएडा में 365 किलो नकली रसगुल्ला पकड़ा गया

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। रक्षाबंधन को देखते हुए खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग जांच अभियान चलाया जा रहा है। डीएम मेधा रूपम के निर्देश पर चल रहे इस अभियान के तहत अब तक विभिन्न मिष?ठान प्रतिष्ठानों से कुल 13 खाद्य नमूने एकत्र किए गए। इन्हें जांच के लिए लखनऊ की प्रयोगशाला भेजा गया है। खराब गुणवत्ता पाए जाने पर 365 किलो छेना रसगुल्ला और 90 किलो मिठाई को मौके पर ही नष्ट किया गया।

नोएडा में रक्षाबंधन को देखते हुए खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग जांच अभियान चलाया जा रहा है। डीएम मेधा रूपम के निर्देश पर चल रहे इस अभियान के तहत अब तक विभिन्न मिष्ठान प्रतिष्ठानों से कुल 13 खाद्य नमूने एकत्र किए गए। इन्हें जांच के लिए लखनऊ की प्रयोगशाला भेजा गया है। खराब गुणवत्ता पाए जाने पर 365 किलो छेना रसगुल्ला और 90 किलो मिठाई को मौके पर ही नष्ट किया गया। सहायक आयुक्त सर्वेश मिश्रा ने बताया कि सेक्टर 63 स्थित वृंदावन स्वीट्स से बर्फी व लड्डू का नमूना लिया। वहीं, छिजारसी स्थित संजय की छेना रसगुल्ला निर्माणशाला से छेना रसगुल्ला का नमूना एकत्र कर शेष 365 किलो रसगुल्ला को नष्ट कर दिया गया। जेवर और जहांगीरपुर क्षेत्र में स्थित विभिन्न मिठाई दुकानों से घेवर के 5 नमूने एकत्र किए। जांच के दौरान मिठाइयों की गुणवत्ता की गहनता से पड़ताल की गई।

दोषी संस्थानों पर होगी कार्रवाई

सभी नमूने अब लखनऊ की प्रयोगशाला में भेजे गए हैं, जहां से जांच रिपोर्ट प्राप्त होने के बाद दोषी संस्थानों के विरुद्ध आवश्यक विधिक कार्रवाई की जाएगी। रक्षाबंधन जैसे त्योहारी अवसर पर मिलावटी या खराब खाद्य सामग्री पर अंकुश लगाने की दिशा में यह अभियान आगे भी जारी रहेगा।

किम यो जोंग ने दिये अमेरिका के साथ बातचीत के संकेत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

वाशिंगटन। अमेरिका ने उत्तर कोरियाई नेता किम जोंग उन की बहन किम यो जोंग के उस बयान में दिलचस्पी दिखाई है जिसमें प्योंगयांग ने वाशिंगटन से बातचीत के संकेत दिए हैं। हालांकि यो ने परमाणु निरस्त्रीकरण को लेकर किसी भी तरह की वार्ता से साफ इनकार किया है।

ब्यूरो ऑफ ईस्ट एंड पेसिफिक (विदेश विभाग) के कार्यवाहक उप सहायक सचिव सेठ बेली ने एक सार्वजनिक कार्यक्रम के दौरान इसे लेकर टिप्पणी की। उन्होंने उत्तर कोरिया की सत्तारूढ़ पार्टी की केंद्रीय समिति की उप-विभाग निदेशक किम यो-जोंग के पिछले सप्ताह दिए गए बयान का हवाला दिया।

उन्होंने लापता सैनिकों की लेखा एजेंसी (डीपीएए) द्वारा 1950-53 के कोरियाई युद्ध के दौरान लापता हुए सैनिकों के परिवारों के लिए आयोजित एक कार्यक्रम में कहा, हमने डीपीआरके नेतृत्व के उच्च-स्तरीय बयान भी देखे हैं, जिनमें किम यो-जोंग के हालिया बयान भी शामिल हैं, जिसे हम खासा दिलचस्प मानते हैं। डीपीआरके उत्तर कोरिया के आधिकारिक नाम, डेमोक्रेटिक पीपुल्स रिपब्लिक ऑफ कोरिया का संक्षिप्त रूप है। उन्होंने आगे कहा, राष्ट्रपति ट्रंप और रिपब्लिक ऑफ कोरिया के राष्ट्रपति ली, दोनों ने उत्तर कोरिया के साथ कूटनीतिक संबंधों को बेहतर करने पर बल दिया है। योनहाप समाचार एजेंसी के अनुसार पिछले मंगलवार को, उप-विभाग के निदेशक किम ने कहा था कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और उत्तर कोरियाई नेता किम जोंग-उन के बीच व्यक्तिगत संबंध बुरे नहीं हैं। यह एक दुर्लभ टिप्पणी थी जो स्पष्ट रूप से ट्रंप प्रशासन के साथ प्योंगयांग की रुचि का संकेत देती है।

हालांकि, उन्होंने वाशिंगटन के साथ उसके परमाणु कार्यक्रम पर बातचीत की संभावना से इनकार किया। साथ ही परमाणु हथियारों के कब्जे को एक अपरिवर्तनीय स्थिति बताया, और अमेरिका से नई सोच के आधार पर उत्तर कोरिया से संपर्क करने का एक और तरीका खोजने को कहा। डीपीएए कार्यक्रम में, लापता सैनिकों के 400 से अधिक परिवार पहुंचे थे। बेली ने जोर देकर कहा कि अमेरिकी सैनिकों के अवशेषों की स्वदेश वापसी केवल एक कूटनीतिक प्राथमिकता नहीं है, बल्कि एक नैतिक दायित्व भी है।

अमेरिका जाएंगे पाक सेना प्रमुख आसिम मुनीर

इस्लामाबाद। पाकिस्तानी सेना के प्रमुख फील्ड मार्शल आसिम मुनीर इस सप्ताह एक बार फिर अमेरिका का दौरा कर सकते हैं। पाकिस्तानी मीडिया की रिपोर्ट के अनुसार वह वहां अपने अमेरिकी समकक्षों के साथ बातचीत करेंगे। पाक अखबार डॉन के हवाले से खबर है कि यह दौरा अमेरिकी सेंट्रल कमांड प्रमुख जनरल माइकल एरिक कुरिल्ला की जुलाई में पाकिस्तान यात्रा के बाद हो रहा है। उस दौरान जनरल कुरिल्ला को पाकिस्तान सरकार द्वारा निशान-ए-इम्तियाज़ (सैन्य) से सम्मानित किया गया था। आसिम मुनीर का अमेरिका का दूसरा दौरा होगा। इससे पहले वह जून में वॉशिंगटन गए थे, जहां अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने उन्हें व्हाइट हाउस में लंच पर आमंत्रित किया था। हालांकि पाकिस्तान सेना की मीडिया शाखा आईएसपीआर या अमेरिका में पाकिस्तान दूतावास की ओर से इस दौरे की आधिकारिक घोषणा नहीं हुई है, लेकिन पहले के एक बयान में मुनीर ने संकेत दिया था कि वह फिर अमेरिका जा सकते हैं।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। महाराष्ट्र कार्यालय :- 2 जी, कृष्णा कुटीर सागरिका CHS जुहू तारा रोड जुहू- मुंबई- 400049। संपादक - संजय शर्मा, विधि सलाहकार: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, वित्तीय सलाहकार: संदीप बंसल, कार्टूनिस्ट: हसन जैदी, दूरभाष: 0522- 4078371 | Email: daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in | RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।